



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

Consolidated Coverage Report:

December 2019

Prepared by:



Media Coverage Index

S.No	Publication Name	Media
Fincare-Small Finance Bank		
1	Dainik Jagran	Print
2	Dainik Naidunia	Print
3	Haribhoomi	Print
4	Samay Jagat	Print
5	Yug Pradesh	Print
6	Dainik Kausar	Print
7	Sandhya Prakash	Print
8	Swadesh	Print
9	LN times	Print
10	Fine Star	Print
Fusion Microfinance: Empowering aspiring women in Madhya Pradesh to become self-reliant		
1	Navbharat	Print
2	Raj Express	Print
3	Agniban	Print
4	Dainik Jaylok	Print
5	Pradesh	Print
6	Swatantra Mat	Print
7	Hindi Express	Print
8	Sarvocch Satta	Print
9	Yash Bharat	Print
Article: Going beyond lending		
1	Indian Era	Print
2	Mallhar	Print
3	Kalinga Mail	Print
4	Amruta Duniya	Print
5	Duniya Khabar	Print
6	Samaya	Print
7	Samaja	Print
8	Manthan	Print

9	Odisha Express	Print
10	Sanchar	Print
11	Hiranchal	Print
12	Suryaprava	Print
13	Darshana	Print
14	Paryabekhyak	Print
Press Release: MFIN & Sa-Dhan, industry SROs announce steps to address microfinance concerns in Assam		
1	Assam Tribune	Print
2	Asomiya Pratidin	Print
3	Asomiya Khabor	Print
4	The Meghalaya Guardian	Print
5	The North East Times	Print
6	The Assam Rising	Print
7	Dainik Batori	Print
8	Dainik Gana Adhikar	Print
9	Asom Aditya	Print
10	Niyomiya Barta	Print
11	Dainik Janambhumi	Print
12	The Hill Times	Print



Coverage Report: Fincare-Small Finance Bank

State: Madhya Pradesh

Date	17 December
Publication	Dainik Jagran
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	7

जिंदगियां बदल रहा फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव, जेएनएन। श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ऋण अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह बैंक उनके जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह की सदस्य बन गईं। आज उनके प्रयासों के चलते उनके परिवार की मासिक आमदनी बढ़कर 25,000 से 26000 रुपए हो गई है।

Date	17 December
Publication	Dainik Naidunia
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	9

मप्र के लोगों की ज़िंदगियां बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

भोपाल। श्रीमती दिशा घोडे मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसे की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था।

Date	18 December
Publication	Haribhoomi
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	8

लोगों की मदद कर रहा फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव, मध्य प्रदेश। दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3-4 वर्ष



पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की

कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। वो हार मानने को राजी नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किश्तें जमा करने आई थीं। वहां मौजूद फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ऋण अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह बैंक उनके जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह की सदस्य बन गईं। शुरुआत में उन्होंने 20,000 रुपए का ऋण लिया, जिससे सिलाई मशीन और ब्यूटी पार्लर के लिए कुछ सामान खरीदा। इससे उन्हें 8000 रुपए प्रति महीने की कमाई होने लगी। उन्होंने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से पिछला चुकाकर, 30,000 रुपए का एक दूसरा ऋण लिया, जिससे उन्होंने 4 सिलाई मशीन और खरीद ली। इसके बाद वो आसपास की महिलाओं को सिलाई का काम सिखाने लगी। आज उनके परिवार की मासिक आमदनी बढ़कर 26,000 रुपए हो गई जो कि उनकी पहले की आर्थिक हालत से काफी बेहतर थी।

Date	19 December
Publication	Samay Jagat
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	6

मध्यप्रदेश के लोगों की जिंदगियां बदल रहा फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

छिंदवाड़ा। श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3.4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। दिशा ने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से लोन लेकर अपनी आर्थिक स्थिति सुधारी।

Date	17 December
Publication	Yug Pradesh
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	9

मध्यप्रदेश के लोगों की जिंदगियां बदलने में मदद कर रहा फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

मध्य प्रदेश (एजेंसी)। श्रीमती दिशा थोडे मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव लौगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसे की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहयोगी और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था। हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हर मानने को राजी नहीं थी और आर्थिक रूप से



आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रहें। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ग्रुप की किरतें जमा करने आई थीं। वहां मौजूद फिनकेयर के ग्रुप अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ग्रुप के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ग्रुप अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह बैंक उनके जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर

सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह (स्वात) की सदस्य बन गईं। शुरुआत में उन्होंने रु. 20,000 का ग्रुप लिया, जिससे सिलाई मशीन और ब्यूटी पालर के लिए कुछ सामान खरीदा। इससे उन्हें रु. 8000 प्रति महीने का कमाई होने लगी। खुद से कमा सकने की अपनी क्षमता देखकर उनका आत्मविश्वास भी बढ़ गया। इसलिए, अपना पिछला ग्रुप चुकाने के बाद उन्होंने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से रु. 30,000 का एक दूसरा ग्रुप लिया, जिससे उन्होंने 4 सिलाई मशीन और खरीद ली। इसके बाद वो आसपास की महिलाओं को सिलाई का काम सिखाने लगी। अपने सतत प्रयासों के चलते उनके परिवार की मासिक आमदनी बढ़कर रु. 25,000 हुई 26000 हो गई जो कि उनकी पहले की आर्थिक हालत से काफी बेहतर थी।

Date	22 December
Publication	Dainik Kausar
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	7

जिंदगिया बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव । श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सपना दिखाती है। करीब 3.4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटीशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था। हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हार मानने को राजी नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किश्तें जमा करने आई थीं। वही मौजूद फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्दारियों और सुविधा की जानकारी भी दी।

Date	17 December
Publication	Sandhya Prakash
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	8

मध्य प्रदेश के लोगों की जिंदगियां बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव, एजेंसी। श्रीमती दिशा घोडे मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है।

करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था।

हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हार मानने को राजी

नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किश्तें जमा करने आई थीं। वहां मौजूद फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ऋण अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह उन जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह की सदस्य बन गई। शुरुआत में उन्होंने रु. 20,000 का ऋण लिया, जिससे सिलाई मशीन और ब्यूटी पार्लर के लिए कुछ सामान खरीदा।

Date	19 December
Publication	Swadesh
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	6

लोगों की जिंदगियां बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

छिंदवाड़ा• श्रीमती दिशा घोडे मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था। हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हार मानने को राजी नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किश्तें जमा करने आई थीं।

Date	18 December
Publication	LN Star
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	8

मध्य प्रदेश के लोगों की जिंदगियां बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव, एजेंसी। श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है।

करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था।

हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हार मानने को राजी नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक

समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किश्तें जमा करने आई थीं। वहां मौजूद फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ऋण अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह बैंक उनके जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह की सदस्य बन गई।

शुरुआत में उन्होंने रु. 20,000 का ऋण लिया, जिससे सिलाई मशीन और ब्यूटी पार्लर के लिए कुछ सामान खरीदा। इससे उन्हें रु. 8000 प्रति महीने की कमाई होने लगी। खुद से कमा सकने की अपनी क्षमता देखकर उनका आत्मविश्वास भी बढ़ गया। इसलिए, अपना पिछला ऋण चुकाने के बाद उन्होंने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से रु. 30,000 का एक दूसरा ऋण लिया, जिससे उन्होंने 4 सिलाई मशीन और खरीद ली। इसके बाद वो आसपास की महिलाओं को सिलाई का काम सिखाने लगी।

Date	22 December
Publication	Fine Times
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	6

मध्य प्रदेश के लोगों की ज़िंदगियां बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव, मध्य प्रदेश। श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है। करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था।

हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हार मानने को राजी नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ग्रुप की किर्तों जमा करने आई थीं। वहां मौजूद फिनकेयर के ग्रुप अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ग्रुप के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ग्रुप अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह बैंक उनके जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह (रू।ल।व.) की

सदस्य बन गईं।

शुरुआत में उन्होंने रु. 20,000 का ग्रुप लिया, जिससे सिलाई मशीन और ब्यूटी पार्लर के लिए कुछ सामान खरीदा। इससे उन्हें रु. 8000 प्रति महीने की कमाई होने लगी। खुद से कमा सकने की अपनी क्षमता देखकर उनका आत्मविश्वास भी बढ़ गया। इसलिए, अपना पिछला ग्रुप चुकाने के बाद उन्होंने फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक से रु. 30,000 का एक दूसरा ग्रुप लिया, जिससे उन्होंने 4 सिलाई मशीन और खरीद ली। इसके बाद वो आसपास की महिलाओं को सिलाई का काम सिखाने लगी। अपने सतत प्रयासों के चलते उनके परिवार की मासिक आमदनी बढ़कर रु. 25,000 से 26000 हो गई जो कि उनकी पहले की आर्थिक हालत से काफी बेहतर थी। अब दिशा अपने समाज में एक प्रतिष्ठित जीवन व्यतीत कर रही हैं और अपने बच्चों को निजी स्कूल में भी पढ़ा रही हैं। जीवन में इस बदलाव के लिए वो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक का आभार मानती हैं, जिसने ज़हरत के वक्त पर उनकी जैसी कई सारी महिलाओं का साथ दिया है। फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की शुरुआत जून 2017 में हुई थी, जो पहले 'दिशा माइक्रोफिन लिमिटेड' नामक एनबीएफसी-एमएफआई कंपनी के रूप में जानी जाती थी। दिशा माइक्रोफिन सितंबर 2015 में आरबीआई से 'इन-प्रिंसिपल' स्वीकृति प्राप्त करने वाली 10 कंपनियों में से एक थी। यह अनुमति देश में वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए चुनिंदा गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और माइक्रो फाइनेंस कंपनियों को स्मॉल फाइनेंस बैंक शुरू करने के लिए दी जाती है।



Coverage Report:

**Fusion Microfinance: Empowering aspiring women in
Madhya Pradesh to become self- reliant**

Date	17 December
Publication	Navbharat
Edition	Jabalpur, Madhya Pradesh
Page No.	2

पयूजन माइक्रोफाइनेंस :मग्न में आत्मनिर्भर बनने की इच्छा रखने वाली महिलाओं को बना रहा है सशक्त

भोपाल । अब भावना गुजर मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर की रहने वाली हैं । दूसरों पर आश्रित महिला से एक उद्यमी बनने तक का सफर तय करने वाली भावना के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की कहानी बेहद प्रेरणादायक है । गाँव के ज्यादातर लोगों की तरह भावना का परिवार भी घरेलू खर्चों के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहा था । भावना के पति एक साइबर कैफे में मामूली वेतन पर काम करते थे, जिससे सिर्फ परिवार की दैनिक घरेलू जरूरतें पूरी हो सकती थीं । परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य होने की वजह से 3 बच्चों की स्कूल फीस का वित्तीय बोझ उन्हें अकेले ही उठाना पड़ता था । इन सभी आर्थिक जिम्मेदारियों के साथ महीने के अंत से पहले ही उनकी सारी कमाई खत्म हो जाती थी । कभी-कभी भावना और उनके पति को अपने रोजमर्रा के खर्चों के लिए भी अपने रिश्तेदारों या दोस्तों से पैसे उधार लेने पड़ते थे । परिवार की जरूरतों को पूरा करने हेतु वैकल्पिक आय की जरूरत ने भावना को घर में ही अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए मजबूर कर दिया । और इस तरह उन्होंने आत्मनिर्भर होने की दिशा में कदम बढ़ाया । शुरुआत में अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए भावना को अपनी सारी बचत पूंजी का इस्तेमाल करना पड़ा ।

Date	16 December
Publication	Raj Express
Edition	Jabalpur, Madhya Pradesh
Page No.	3

फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस महिलाओं को बना रहा सशक्त

मुंबई। भावना गुजर जबलपुर की रहने वाली हैं। भावना के संघर्ष की कहानी बेहद प्रेरणादायक है। भावना के पति एक साइबर-कैफे में मामूली वेतन पर काम करते थे। जिससे तीन बच्चों की स्कूल फीस का बोझ उन्हें अकेले ही उठाना पड़ता था। कभी-कभी भावना और उनके पति को रोजमर्रा के खर्चों के लिए भी रिश्तेदारों या दोस्तों से पैसे उधार लेने पड़ते थे। परिवार की जरूरतों को पूरा करने भावना को घर में ही अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए मजबूर कर दिया। ऐसे वक्त में 2016 में भावना के पति ने उन्हें फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस के बारे में बताया। जहाँ से उन्होंने 2016 में 20 हजार रुपए का पहला ऋण लिया और वर्तमान में 45 हजार रुपए का उनका तीसरा ऋण चल रहा है। भावना ने ऋण राशि का उपयोग अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए किया। अब उनकी दुकान में विभिन्न तरह के कपड़ों का स्टॉक भरा हुआ है और यह दुकान इलाके की महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। भावना अपनी सफलता का श्रेय फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस को देती हैं, जिसने उन्हें वित्तीय मदद मुहैया कराई।

Date	16 December
Publication	Agniban
Edition	Jabalpur, Madhya Pradesh
Page No.	6

माइक्रो फाईनेंस से भावना ने बदली जिंदगी

जबलपुर। भावना गुर्जर मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर की रहने वाली हैं। दूसरों पर आश्रित महिला से एक उद्यमी बनने तक का सफर तय करने वाली भावना के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की कहानी बेहद प्रेरणादायक है। गांव के ज्यादातर लोगों की तरह भावना का परिवार भी घरेलू खर्चों के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। परिवार की जरूरतों को पूरा करने हेतु, वैकल्पिक आय की जरूरत ने भावना को घर में ही अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए मजबूर कर दिया। ऐसे वक्त में 2016 में भावना के पति ने उन्हें फ्यूजन माइक्रोफाईनेंस के बारे में बताया। जहाँ से उन्होंने 2016 में 20 हजार रुपये का पहला ऋण लिया और वर्तमान में 45 हजार रुपये का उनका तीसरा ऋण चल रहा है।



भावना ने ऋण राशि का उपयोग अपने व्यवसाय को धीरे-धीरे बढ़ाने के लिए किया। अब उनकी दुकान में विभिन्न तरह के कपड़ों का स्टॉक भरा हुआ है और यह दुकान इलाके की महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। भावना अपनी सफलता का श्रेय फ्यूजन माइक्रोफाईनेंस को देती हैं, जिसने उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक वित्तीय मदद मुहैया कराई। वह गर्व से कहती हैं, फ्यूजन माइक्रोफाईनेंस की वजह से हम एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। अब हमें अपना भविष्य सुरक्षित दिखता है। हम अपनी दैनिक जरूरतें अच्छी तरह से पूरा कर पा रहे हैं और हमारे बच्चों की पढ़ाई भी सक्षम रूप से चल रही है।

Date	16 December
Publication	Dainik Jaylok
Edition	Jabalpur, Madhya Pradesh
Page No.	4

मध्य प्रदेश के लोगों की जिंदगियां बदलने में मदद कर रहा है फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक

तीगांव, एजेंसी। श्रीमती दिशा घोड़े मध्य प्रदेश के एक छोटे से गांव तीगांव में रहती हैं। उनकी कहानी जीवन में गरीबी से उठकर अपने घर के साथ-साथ पूरे गांव में एक प्रतिष्ठित महिला बनने का सफर दिखाती है।

करीब 3-4 वर्ष पहले तक दिशा के परिवार की आर्थिक स्थिति काफी अच्छी नहीं थी। एक कुशल ब्यूटिशियन और सिलाई-कढ़ाई में एक अनुभवी टीचर होने के बावजूद पैसों की कमी के कारण, दिशा अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने में कोई मदद नहीं कर पा रही थी। उनके पति की मामूली आमदनी घर का खर्च चलाने के लिए पूरी नहीं पड़ती थी। उन्होंने अपनी सहेलियों और रिश्तेदारों से भी आर्थिक मदद मांगने की कोशिश की लेकिन कोई भी उनकी सहायता करने को तैयार नहीं था।

हर प्रकार की निराशा के बावजूद वो हार मानने को राजी

नहीं थी और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार की आर्थिक हालत सुधारने के फैसले पर अडिग रही। इसी बीच वो अपने पड़ोस में कुछ महिलाओं के एक समूह से मिली जो फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक की एक समूह बैठक यानि ग्रुप मीटिंग के लिए अपने ऋण की किश्तें जमा करने आई थीं। वहां मौजूद फिनकेयर के ऋण अधिकारी ने दिशा को बैंक के समूह ऋण के बारे में बताया और साथ ही एक समूह की जिम्मेदारियों और सुविधा की जानकारी भी दी। ऋण अधिकारी ने दिशा को बताया कि यह उन जैसे परिवारों की आर्थिक स्थिति सुधारने में किस तरह से मदद कर सकती है। इस मुलाकात के बाद दिशा भी फिनकेयर स्मॉल फाइनेंस बैंक के स्वयं सहायता समूह की सदस्य बन गई। शुरुआत में उन्होंने रु. 20,000 का ऋण लिया, जिससे सिलाई मशीन और ब्यूटी पार्लर के लिए कुछ सामान खरीदा।

Date	16 December
Publication	Pradesh
Edition	Teegaon, Madhya Pradesh
Page No.	2

फ्यूजन माइक्रोफाइनैस : मध्य प्रदेश में आत्मनिर्भर बनने की इच्छा रखने वाली महिलाओं को बना रहा है सशक्त



जबलपुर, संवाददाता। भावना गुजर मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर की रहने वाली है। दूसरी पर आश्रित महिला से एक उद्यमी बनने राह का सफर तय करने वाली भावना के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की कहानी बेहद प्रेरणादायक है। गाँव के ज्यादातर लोगों की तरह भावना का परिवार भी घरेलू खर्चों के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

भावना के पति एक साइबर-कैफे में मामूली वेतन पर काम करते थे, जिससे सिर्फ परिवार की दैनिक घरेलू जरूरतें पूरी हो सकती थीं। परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य होने की वजह से 3 बच्चों की स्कूल फीस का वित्तीय बोझ उन्हें अकेले ही उठाना पड़ता था। इन सभी आर्थिक जिम्मेदारियों के साथ, नहीने के अंत से पहले ही उनकी सारी कमाई खत्म हो जाती थी। कभी-कभी भावना और उनके पति को अपने रोजमर्रा के खर्चों के लिए भी अपने रिश्तेदारों या दोस्तों से पैसे उधार लेने पड़ते थे।

Date	16 December
Publication	Swatantra Mat
Edition	Jabalpur, Madhya Pradesh
Page No.	7

फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस

महिलाओं को बना रहा सशक्त

नयी दिल्ली, (वार्ता)

भावना गुजर मध्य प्रदेश की रहने वाली हैं। दूसरों पर आश्रित महिला से एक उद्यमी बनने तक का सफर तय करने वाली भावना के लघु संकल्प और संघर्ष की कहानी बेहद प्रेरणादायक है। गाँव के ज्यादातर लोगों की तरह भावना का परिवार भी घरेलू खर्चों के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

भावना के पति एक महँगर कैफे में मामूली वेतन पर काम करते थे। जिससे सिर्फ परिवार की दैनिक घरेलू जरूरतें पूरी हो सकती थीं। परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य होने की वजह से 3 बच्चों की स्कूल फीस का वित्तीय बोझ उन्हें अकेले ही उठाना पड़ता था। इन सभी आर्थिक जिम्मेदारियों के साथ महीने के अंत से पहले ही उनकी सारी कमाई खत्म हो जाती थी। कभी-कभी भावना और उनके पति को अपने रोजमर्रा के खर्चों के लिए भी अपने रिश्तेदारों या दोस्तों से पैसे उधार लेने पड़ते थे। परिवार की जरूरतों को पूरा करने हेतु वैकल्पिक आय की जरूरत ने भावना को घर में ही अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए मजबूर कर दिया। और इस तरह उन्होंने आत्मनिर्भर होने की दिशा में कदम बढ़ाया।

शुरुआत में अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए भावना को अपनी सारी बचत पूंजी का इस्तेमाल करना पड़ा। उन्होंने अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों से भी पैसे उधार लिए लेकिन एक निश्चित समय के बाद पैसे की कमी के कारण व्यवसाय आगे नहीं बढ़ सका जिसकी वजह से उनका स्टॉक कम पड़ने लगा। ऐसे वक़्त में 2016 में भावना के पति ने उन्हें 'फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस' के बारे में बताया। जहाँ से उन्होंने 2016 में 20 हजार रुपये का पहला ऋण लिया और वर्तमान में 45 हजार रुपये का उनका तीसरा ऋण चल रहा है।

भावना ने ऋण राशि का उपयोग अपने व्यवसाय को धीरे-धीरे बढ़ाने के लिए किया। अब उनकी दुकान में विभिन्न तरह के कपड़ों का स्टॉक भरा हुआ है और यह दुकान इलाके की महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय है। भावना अपनी सफलता का श्रेय 'फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस' को देती हैं, जिसने उन्हें अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक वित्तीय मदद मुहैया कराई। वह गर्व से कहती हैं, 'फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस की वजह से हम एक लंबा सफर तय कर चुके हैं। अब हमें अपना भविष्य सुरक्षित दिखता है।'

Date	16 December
Publication	Hindi Express
Edition	Jabalpur, Madhya Pradesh
Page No.	2

फ्यूजन माइक्रोफाइनेंस: मप्र में आत्मनिर्भर बनने की इच्छा रखने वाली महिलाओं को बना रहा है सशक्त

जबलपुर। भावना गुजर मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर की रहने वाली हैं। दूसरों पर आश्रित महिला से एक उद्यमी बनने तक का सफर तय करने वाली भावना के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की कहानी बेहद प्रेरणादायक है। गाँव के ज्यादातर लोगों की तरह भावना का परिवार भी घरेलू खर्चों के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। भावना के पति एक साइबर-कैफे में मामूली वेतन पर काम करते थे, जिससे सिर्फ परिवार की दैनिक घरेलू जरूरतें पूरी हो सकती थीं। परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य होने की वजह से 3 बच्चों की स्कूल फीस का वित्तीय बोझ उन्हें अकेले ही उठाना

पड़ता था। इन सभी आर्थिक जिम्मेदारियों के साथ, महीने के अंत से पहले ही उनकी सारी कमाई खत्म हो जाती थी। कभी-कभी भावना और उनके पति को अपने रोजमर्रा के खर्चों के लिए भी अपने रिश्तेदारों या दोस्तों से पैसे उधार लेने पड़ते थे। परिवार की जरूरतों को पूरा करने हेतु, वैकल्पिक आय की जरूरत ने भावना को घर में ही अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए मजबूर कर दिया।



**कार्पोरेट/
फिल्म जगत**

परिवार की जरूरतों को पूरा करने हेतु, वैकल्पिक आय की जरूरत ने भावना को घर में ही अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए मजबूर कर दिया।

Date	17 December
Publication	Sarvocch Satta
Edition	Jabalpur, Madhya Pradesh
Page No.	2

फ्यूज़न माइक्रोफाइनेंस मध्य प्रदेश में आत्मनिर्भर बनने की इच्छा रखने वाली महिलाओं को बना रहा है सशक्त

जबलपुर, मध्य प्रदेश, 12 दिसंबर 2019- भावना गुजर मध्य प्रदेश के जबलपुर शहर की रहने वाली हैं। दूसरों पर आश्रित महिला से एक उद्यमी बनने तक का सफर तय करने वाली भावना के दृढ़ संकल्प और संघर्ष की कहानी बेहद प्रेरणादायक है। गाँव के ज्यादातर लोगों की तरह भावना का परिवार भी घरेलू खर्चों के कारण आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। भावना के पति एक साइबर-कैफे में मामूली वेतन पर काम करते थे, जिससे सिर्फ परिवार की दैनिक घरेलू जरूरतें पूरी हो सकती थीं। परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य होने की वजह से 3 बच्चों की स्कूल फीस का वित्तीय बोझ उन्हें अकेले ही उठाना पड़ता था। इन सभी आर्थिक

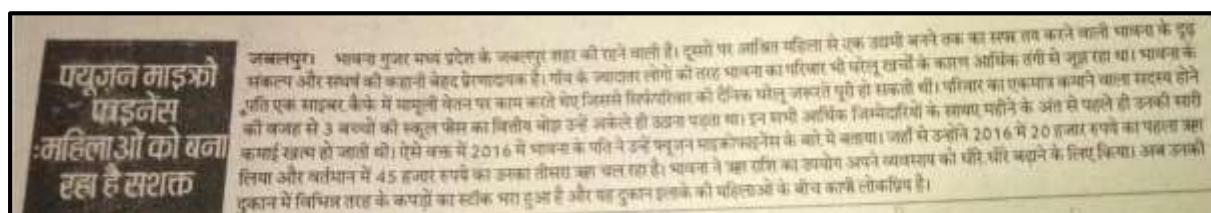


जिम्मेदारियों के साथ, महीने के अंत से पहले ही उनकी सारी कमाई खत्म हो जाती थी। कभी-कभी भावना और उनके पति को अपने रोजमर्रा के खर्चों के लिए भी अपने रिश्तेदारों या दोस्तों से पैसे उधार लेने पड़ते थे। परिवार की जरूरतों को पूरा करने हेतु, वैकल्पिक आय की

जरूरत ने भावना को घर में ही अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के लिए मजबूर कर दिया। और इस तरह उन्होंने आत्मनिर्भर होने की दिशा में कदम बढ़ाया। शुरुआत में अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए भावना को अपनी सारी बचत पूंजी का इस्तेमाल करना पड़ा। उन्होंने अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों से भी पैसे उधार लिये लेकिन एक निश्चित समय के बाद पैसे की कमी के कारण व्यवसाय आगे नहीं बढ़ सका जिसकी वजह से उनका स्टॉक कम पड़ने लगा। ऐसे वक्त में 2016 में भावना के पति ने उन्हें फ्यूज़न माइक्रोफाइनेंस के बारे में बताया। जहाँ से उन्होंने 2016 में 20 हजार रुपये का पहला ऋण लिया और वर्तमान में 45

हजार रुपये का उनका तीसरा ऋण चल रहा है। भावना ने ऋण राशि का उपयोग अपने व्यवसाय को धीरे-धीरे बढ़ाने के लिए किया। अब उनकी दुकान में विभिन्न तरह के कपड़ों का स्टॉक भरा हुआ है और यह दुकान इलाके की महिलाओं के बीच काफी लोकप्रिय है।

Date	17 December
Publication	Yash Bharat
Edition	Jabalpur, Madhya Pradesh
Page No.	2





Coverage Report:

Article- Going beyond lending

State: Orissa

Prepared by:



Date	12 December
Publication	Indian Era
Edition	Bhubhneswar, Odisha
Page No.	12

Microfinance going beyond lending

Bhubaneswar : For the economically weaker sections of Odisha, Microfinance, where small loans are given out without collateral, was a game changer. Access to credit, even to the remotest district of the state, to poor households not only provided them income generating opportunities but also solicited their participation in the nation's growth story.

Borrowers from different districts of Odisha recall how Microfinance Institutions stood by them when Cyclone Fani hit. Before any relief measures reached, the Microfinance Institutions did.

Babita Senapati of

Khurdha said, "I lost my entire belongings and was distraught. The loan officer from Satya MicroCapital, from where I had taken a loan, was extremely supportive. Instead of following up for the loan repayment, he asked me if he could support me in any way. It touched my heart."

Dibyajyoti Pattanaik, Director at Annapurna Microfinance, one of the oldest microfinance institutions operating in Odisha said, "These borrowers have become family and a bond of trust has developed. It is only natural that in their bad times, we will support them. We understand that losing one's house and belongings in a natural disaster can be

traumatising. Above all the pressure of repaying a loan, can add to the trauma."

Jhami Khandi, a borrower from Vaya Finserv, hailing from Puri, one of the high impacted districts recalls, "I had taken a loan of Rs. 18,000 for my betel leaf business but it was severely impacted in Cyclone Fani. But Vaya Finserv helped us. Immediately after the cyclone, we were provided biscuits, food and water. Besides this, a Saree and Lungi were also given to us. Moreover, Vaya offered me another loan which really helped me rebuild my betel leaf business. I am so grateful to them for the immediate help."

Date	12 December
Publication	Duniya Khabar
Edition	Bhubhneswar, Odisha
Page No.	7

Microfinance -going beyond lending

Bhubaneswar : For the economically weaker sections of Odisha, Microfinance, where small loans are given out without collateral, was a game changer. Access to credit, even to the remotest district of the state, to poor households not only provided them income generating opportunities but also solicited their participation in the nation's growth story.

Borrowers from different districts of Odisha recall how Microfinance Institutions stood by them when Cyclone Fani hit. Before any relief measures reached, the Microfinance Institutions did.

Babita Senapati of Khurdha said, "I lost my entire belongings and was distraught. The loan officer from Satya MicroCapital, from where I had taken a loan, was extremely supportive. Instead of following up for the loan repayment, he asked me if he could support me in any way. It touched my heart." Dibyajyoti Pattanaik, Director at Annapurna

Microfinance, one of the oldest microfinance institutions operating in Odisha said, "These borrowers have become family and a bond of trust has developed. It is only natural that in their bad times, we will support them. We understand that losing one's house and belongings in a natural disaster can be traumatising. Above all the pressure of repaying a loan, can add to the trauma."

Jhami Khandi, a borrower from Vaya Finserv, hailing from Puri, one of the high impacted districts recalls, "I had taken a loan of Rs. 18,000 for my betel leaf business but it was severely impacted in Cyclone Fani. But Vaya Finserv helped us. Immediately after the cyclone, we were provided biscuits, food and water. Besides this, a Saree and Lungi were also given to us. Moreover, Vaya offered me another loan which really helped me rebuild my betel leaf business. I am so grateful to them for the im-

mediate help."

Mohammad Nooruddin Amin, Managing Director & CEO of Adhikar Microfinance said, "Our borrowers come from the lower income group. They take loans just to improve their livelihood. They are honest and hard-working. In most cases, they rebuild their houses and offer to repay our loans at the earliest possible opportunity. Moreover, there is now greater awareness among them about having a good credit history."

Cyclone Fani was the strongest tropical cyclone to strike Odisha since the 1999 Odisha cyclone. MFIN, the industry association for the Microfinance Institutions said, "We have as many as 27.1 lakh women borrowers in Odisha. When natural calamities strike, to help borrowers' tide over the impact, all microfinance institutions provide support and undertake CSR activities. Their collective efforts help restore order and normalcy in the impacted districts."

Date	13 December
Publication	Samaya
Edition	Bhubaneswar, Odisha
Page No.	10

ମାଲକୋପାଲନାଟ୍ : ରଣ ପ୍ରଦାନରେ ସୀମିତ ନୁହେଁ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, (ସମୟ) : ଆମ ରାଜ୍ୟ ଓଡ଼ିଶା ଆର୍ଥିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଅନନ୍ତର ରୋଷ୍ଟାରୁ ମାଲକୋପାଲନାଟ୍ ଚୁକ୍ତିକ କୌଣସି ବନ୍ଧନ ବ୍ୟତୀତ ରଣ ପ୍ରଦାନ କରି ବୈପ୍ଳବିକ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଆଣି ଦେଇଛନ୍ତି। ରାଜ୍ୟର ଦୁର୍ଗମ ଜିଲ୍ଲାଗୁଡ଼ିକରେ ଯେଉଁଠାରେ ଲୋକେ ରଣ ବା ଟ୍ରେଡିଟର ଦୃଷ୍ଟି। ପାଲନଥିଲେ ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ କପାର୍ଯ୍ୟନର ଦୁଯୋଗ ପ୍ରଦାନ କରିନାହିଁ ସେମାନଙ୍କୁ ଦେଶର ବିକାଶ ସହିତ ତାଙ୍କ ବେଳ ଆଗେଇ ଯିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଛି। ଖୋର୍ଦ୍ଧାର ବରଗାଁ ସେନାପତି କହିଛି, 'ମୁଁ ମୋର ସବୁଜିଛି ହରାଇଥିଲି ଏବଂ କ'ଣ କରିବି କିଛି ଜାଣିପାରୁନଥିଲି। ସତ୍ୟ ମାଲକୋ କ୍ୟାପିଟାଲରୁ ଲୋନ୍ ଅପିସର, ଯେଉଁଠାରୁ ମୁଁ ରଣ ନେଇଥିଲି, ମୋତେ ବହୁତ ସାହାଯ୍ୟ କଲେ। ସେ ମୋତେ ରଣ ପରିଶୋଧ କରିବା ପାଇଁ କହିନଥିଲେ ବରଂ ସେ କିପରି ମୋତେ ସାହାଯ୍ୟ କରିପାରିବେ ପଚାରିଥିଲେ। ଏହା ମୋ ବୁଦ୍ଧିରୁ ଛୁଇଁଗଲା। ଓଡ଼ିଶାରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଥିବା ଅନ୍ୟତମ ସବୁଠାରୁ ପୁରୁଣା ମାଲକୋପାଲନାଟ୍ ଇନଷ୍ଟିଚ୍ୟୁସନ ଅନୁପୂର୍ଣ୍ଣ ମାଲକୋପାଲନାଟ୍ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ବିଦ୍ୟାଭ୍ୟାସି ପଟ୍ଟନାୟକ କହିଥିଲେ ଯେ ରଣପ୍ରସିଦ୍ଧିମାଳେ ଗୋଟିଏ ପରିବାର ପରି ହୋଇଗଲାଣି ଏବଂ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଭରସାର ବନ୍ଧନ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି। ଖାମି ଖଣ୍ଡି, ବାୟା ପିନସର୍ଗର ରଣପ୍ରସିଦ୍ଧି, ଯେ କି ପୁରୀର ବାସିନ୍ଦା, ପୁରୀରେ ପଳିର ଇୟଙ୍କର ପ୍ରଭାବ ପଡ଼ିଥିଲା, ମୁଁ ପାଳ ପତ୍ର ବ୍ୟବସାୟ ପାଇଁ ୧୮,୦୦୦ ଟଙ୍କା ରଣ ନେଇଥିଲି କିନ୍ତୁ ପାଳି ଯୋଗୁଁ ବୁରୁର ପ୍ରଭାବ ପଡ଼ିଲା। କିନ୍ତୁ ବାୟା ପିନସର୍ଗ ଆମକୁ ସାହାଯ୍ୟ କଲା। ବାତ୍ୟା ପରେ ବୁରୁ ଆମକୁ ଖାଦ୍ୟ, ଦିଆଁ ଓ ପାଣି ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। ଅଧିକାର ମାଲକୋପାଲନାଟ୍ ପରିଚାଳନା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଓ ପିଇଓ ମହନ୍ତଙ୍କୁ ନୁହେଁ ଅମିନ, କହିଛନ୍ତି 'ଆମର ରଣପ୍ରସିଦ୍ଧିମାଳେ ନିମ୍ନ ଆୟବର୍ଗର ଅଟଗି ସେମାନେ ବାସିନ୍ଦାରେ କଟୁଟି ପାଇଁ ରଣ ନେଇଥାନ୍ତି। ସେମାନେ ସଜୋଗ ଏବଂ କଠିନ ପରିଶ୍ରମୀ। ଅଧିକାଂଶ ଘଟଣାରେ ସେମାନେ ଟାଙ୍କର ବୁହର ପୁନଃ ନିର୍ମାଣ କରିଥାନ୍ତି ଏବଂ ଦୁଯୋଗ ପାଇବା ମାତ୍ରେ ଯଥାଶୀଘ୍ର ସମସ୍ତ ରଣ ପରିଶୋଧ କରିଥାନ୍ତି। ଚାହାସହିତ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଭରମ ରଣ ଇତିହାସ ବା ଟ୍ରେଡିଟ୍ ହିସ୍ତ୍ର ବିଷୟରେ ଯଥେଷ୍ଟ ସଚେତନତା ରହିଛି। ବାତ୍ୟା ପଡି ହେବାଈ ୧୯୯୯ ପରଠାରୁ ସବୁଠାରୁ ଇୟଙ୍କର ବାତ୍ୟା ଯାହାକି ଓଡ଼ିଶାର ଧୂସର ତାଣ୍ଡବଲୀଳା କରିଛି, ଏମିତିଆଇଏନ, ମାଲକୋପାଲନାଟ୍ ଇନଷ୍ଟିଚ୍ୟୁସନର ଇଣ୍ଡିଆ ଆସୋସିଏସନ୍ କହିଛି, 'ଆମ ପାଖରେ ଓଡ଼ିଶାରୁ ୨୭.୧ ଲକ୍ଷ ରଣପ୍ରସିଦ୍ଧି ମହିଳା ଅଛନ୍ତି।

Date	14 December
Publication	Samaja
Edition	Bhubaneshwar, Odisha
Page No.	4

ମାଲକ୍ରୋପାଇନାନ୍ସୁ କେବଳ ରଣପ୍ରଦାନରେ ସୀମିତ ନୁହେଁ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୩/୧୨ (ନି.ପ୍ର.): ଆମ ରାଜ୍ୟ ଓଡ଼ିଶାରେ ଆର୍ଥିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଅନନ୍ତର ଗୋଷ୍ଠୀଗୁଡ଼ିକୁ ମାଲକ୍ରୋ ପାଇନାନ୍ସୁ ଟିକି କୌଣସି ବନ୍ଧକ ବ୍ୟତୀତ ରଣ ପ୍ରଦାନକରି ଦୈନିକ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଆଣିଛନ୍ତି । ରାଜ୍ୟର ଦୁର୍ଗମ ଜିଲ୍ଲାଗୁଡ଼ିକରେ ଯେଉଁଠାରେ ଲୋକେ ଚଣ ବା ଚଣ ଦୁବିଧା ପାଇ ନ ଥିଲେ ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ କେବଳ ଉପାର୍ଜନର ସୁଯୋଗ ପ୍ରଦାନ କରିନାହିଁ, ସେମାନଙ୍କୁ ଦେଶର ବିକାଶ ସହିତ ତାଳ ଦେଇ ଆଗରେ ଯିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଛି । ରାଜ୍ୟର ବିଭିନ୍ନ ଜିଲ୍ଲାର ରଣଗ୍ରହିତାମାନେ ମନେ ପକାଇଥିଲେ ଯେ, ଚାଣବଳାଳା ପରେ କିଭଳି ଭାବେ ମାଲକ୍ରୋପାଇନାନ୍ସୁ ସଂସ୍ଥାଗୁଡ଼ିକ ସହାୟତାର ହାତ ବଢ଼ାଇଥିଲେ । ଗିରିଫୁ ଦୁବିଧା ପହଞ୍ଚିବା ପୂର୍ବରୁ ଏହି ସଂସ୍ଥାଗୁଡ଼ିକ ଗିରିଫୁ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ । ବାତ୍ୟା ପଣି ହେଉଛି ୧୯୯୯ ପରଠାରୁ ସବୁଠାରୁ ଭୟଙ୍କର ବାତ୍ୟା ଯାହାକି ଓଡ଼ିଶାର ଏସବୁ ଚାଣବଳାଳା କରିଛି ବୋଲି ଏମଏସଆଇଏନ୍ ମାଲକ୍ରୋପାଇନାନ୍ସୁ ଜନସ୍ୱରୂପନର ଶିଳ୍ପୀ ସଂଘ କହିଛି, ଆମ ପାଖରେ ଓଡ଼ିଶାରୁ ୨୭ ୧ ଲକ୍ଷ ରଣଗ୍ରହିତା ମହିଳା ରହିଛନ୍ତି । ଯେତେବେଳେ ପ୍ରାକୃତିକ ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ବେଶାବେଶା ପଣିର ପ୍ରଭାବକୁ ଅତିକ୍ରମ କରିବା ପାଇଁ ସମସ୍ତ ମାଲକ୍ରୋପାଇନାନ୍ସୁ ଜନସ୍ୱରୂପନ ସହଯୋଗ କରିବା ସହ ସିଏସଆର୍ ମ୍ୟାକକାପ ପାଇଁ ଆଗେଇ ଆସିଥିଲେ । ସେମାନଙ୍କର ମିଳିତ ଉଦ୍ୟମ ପ୍ରଭାବିତ ଜିଲ୍ଲାଗୁଡ଼ିକର ପୁନର୍ଗଠନ ଓ ଜନଜୀବନ ଶାନ୍ତିର ଥିବାକୁ ଫେରି ଆସିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଛି ।

Date	18 December
Publication	Manthan
Edition	Bhubhneswar, Odisha
Page No.	5

ରଣ ପ୍ରଦାନରେ ସୀମିତ ନୁହେଁ ମାଇକ୍ରୋଫୋନନାନ୍ସ

ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୭।୧୨ (ନି.ପ୍ର): ଆମ ରାଜ୍ୟ ଓଡ଼ିଶାରେ ଆର୍ଥିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଅନସ୍ଥ ସର ଗୋଷ୍ଠୀଗୁଡ଼ିକୁ, ମାଇକ୍ରୋ ଫାଇନାନ୍ସଗୁଡ଼ିକ କୌଣସି ବନ୍ଧନ ବ୍ୟତୀତ ରଣ ପ୍ରଦାନକରି ଦୈନିକ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଆଣି ଦେଇଛନ୍ତି । ରାଜ୍ୟର ଦୁର୍ଗମ ଜିଲ୍ଲାଗୁଡ଼ିକରେ ଯେଉଁଠାରେ ଲୋକେ ରଣ ବା କ୍ଳେତିଚର ସୁବିଧା ପାଇନଥିଲେ ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ କେବଳ ଉପାର୍ଜନର ସୁଯୋଗ ପ୍ରଦାନ କରିନାହିଁ ସେମାନଙ୍କୁ ଦେଖିବା ବିକାଶ ସହିତ ତାଙ୍କ ଦେଇ ଆଗେଇ ଯିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଛି ।

ସକାଶାକୁ ବିକିନ୍, ଜିଲ୍ଲାର ରଣଗୁଡ଼ିଗାନେ ମନେ ପକାଇଥିଲେ କିପରି ଭାବରେ ପନିର ତାଣ୍ଡବଳାଳା ପରେ ମାଇକ୍ରୋଫାଇନାନ୍ସ ଲନର୍ସ୍‌ରୁପରୁପକ ସହାୟତାର ହାତ

କଟାଇଥିଲେ । ଗିରିପ୍ ସୁବିଧା ପର୍ଯ୍ୟନ୍ତ ପୂର୍ବରୁ ମାଇକ୍ରୋଫାଇନାନ୍ସ ଲନର୍ସ୍‌ରୁପରୁପକ ଗିରିପ୍ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ । ଓଡ଼ିଶାରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଥିବା ଅନ୍ୟତମ ସବୁଠାରୁ ପୁରୁଣା ମାଇକ୍ରୋଫାଇନାନ୍ସ ଲନର୍ସ୍‌ରୁପର ଅନୁପୂର୍ଣ୍ଣ । ମାଇକ୍ରୋଫାଇନାନ୍ସର ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ବିବ୍ୟାକ୍ଷେପି ପଦ୍ମନାୟକ କହିଥିଲେ, “ଏହି ରଣଗୁଡ଼ିଗାନେ ଗୋଟିଏ ପରିବାର ପରି ହୋଇଗଲାଣି ଏବଂ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଭରସାର ବନ୍ଧନ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି । ଆଉ ଅସୁବିଧା ସମୟରେ ଆମେ ସେମାନଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବା ସାଧାରଣ କଥା । ଆମେ ବୁଝୁଛୁ ଯେ ସେମାନେ ଏହି ପ୍ରାକୃତିକ ବିପର୍ଯ୍ୟୟରେ ଭରସା, ଧନସମ୍ପତ୍ତି ହରାଇଛନ୍ତି ଏବଂ ଉତ୍ତର ଦୃଷ୍ଟି ମଧ୍ୟରେ

ଗତି କରୁଛନ୍ତି । ସେହି ସମୟରେ ରଣ ପରିଶେଷ କରିବା ପାଇଁ ଟାପ ପକାଇବା ସେହି ଦୃଷ୍ଟିରୁ କଟାଇଦେବା ।” ଅଧିକାର ମାଇକ୍ରୋଫାଇନାନ୍ସର ପରିଚାଳନା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଓ ସିଇଓ ମହମ୍ମଦ ନୁରୁଲ୍‌ଦିନ ଅମିନ, କହିଛନ୍ତି, “ଆମର ରଣଗୁଡ଼ିଗାନେ ନିମ୍ନ ଆୟବର୍ଗର ଅଟନ୍ତି । ସେମାନେ କାବିକାରେ ଭଲ ପାଇଁ ରଣ ନେଇଥାନ୍ତି । ସେମାନେ ସବୋଟ ଏବଂ କଠିନ ପରିଶ୍ରମୀ । ଅଧିକାଂଶ ଘଟଣାରେ ସେମାନେ ତାଙ୍କର ବୁଦ୍ଧର ପୁରୁଷ ନିର୍ମାଣ କରିଥାନ୍ତି ଏବଂ ସୁଯୋଗ ପାଇବା ମାତ୍ରେ ସଫଳତା ସମ୍ପାଦନ କରି ପରିଶେଷ କରିଥାନ୍ତି । ତାହାସହିତ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଭରମ ରଣ କରିଥାଏ ବା କେବିଟ୍ ହିଷ୍ଟି ବିଷୟରେ ପଥେଷ ସଚେତନତା ରହିଛି ।” ବାବ୍ୟା ପନି

ହେଉଛି ୧୯୯୯ ପରଠାରୁ ସବୁଠାରୁ ଭୟଙ୍କର ବାବ୍ୟା ଯାହାକି ଓଡ଼ିଶାର ଧୂସର ତାଣ୍ଡବଳାଳା କରିଛି, ଏମିତିଆରାଏନ, ମାଇକ୍ରୋଫାଇନାନ୍ସ ଲନର୍ସ୍‌ରୁପର ଲକ୍ଷ୍ମଣ ଆସୋସିଏସନ୍ କହିଛି, “ଆମ ପାଖରେ ଓଡ଼ିଶାରୁ ୨୭.୧ ଲକ୍ଷ ରଣଗୁଡ଼ିଗା ମହିଳା ଅଛନ୍ତି । ଯେତେବେଳେ ପ୍ରାକୃତିକ ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ଦେଖା ଦେଲା, ଏହି ପନିର ପ୍ରଭାବକୁ ଅତିଭ୍ରମ କରିବା ପାଇଁ ସମସ୍ତ ମାଇକ୍ରୋଫାଇନାନ୍ସ ଲନର୍ସ୍‌ରୁପର ସହଯୋଗ କରିବା ସହ ସିଏସଆର କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ପାଇଁ ଆଗେଇ ଆସିଥିଲେ । ସେମାନଙ୍କର ନିବିଡ଼ ଉଦ୍ୟମ ପ୍ରତ୍ୟକ୍ତ ଜିଲ୍ଲାଗୁଡ଼ିକର ମୁନର୍ବିଠନ ଓ ଜନଜୀବନ ସାଧାରଣ ଅବସ୍ଥାକୁ ଫେରି ଆସିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଛି ।”

Date	18 December
Publication	Odisha Express
Edition	Bhubaneshwar, Odisha
Page No.	14

ଉତ୍କଳମଣିଙ୍କ କାର୍ଯ୍ୟରେ ସାମିଲ ହେଲା ମାଲକୋଟାଈନାନ୍ଦ

ଭୁବନେଶ୍ୱର: ଏକପ୍ରକାର ନୂଆ ଆମ ରାଜ୍ୟ ଓଡ଼ିଶାରେ ଆସିବ ଦୁର୍ଦ୍ଦିନ ଅନନ୍ତର ଗୋଷ୍ଠୀକୁ, ମାଲକୋଟାଈନାନ୍ଦର ଲୋକସମାଜର ମୋଟା ଗଣ ପ୍ରଦାନକରି ଦେଖିବା ପରିବର୍ତ୍ତନ ଆଣି ଦେଇଛନ୍ତି । ରାଜ୍ୟର ଦୁର୍ଗମ ଜିଲ୍ଲାଗୁଡ଼ିକରେ ଯେଉଁଠି ଲୋକେ ଗଣ ବା କ୍ଷେତ୍ରର ଦୁର୍ଦ୍ଦିନ ପାଇନଥିଲେ ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ କେବଳ ଉପାର୍ଜନର ପ୍ରଯୋଗ ପ୍ରଦାନ କରିନାହିଁ ସେମାନଙ୍କୁ ଦେଖିବା ବିକାଶ ସହିତ ଚାଲି ଦେଇ

ଆଗର ଯିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଛି । ଓଡ଼ିଶାର ବିଭିନ୍ନ ଜିଲ୍ଲାର ଗଣଜନମଣ୍ଡଳ ମନେ ପକାଇଥିଲେ ବିପରୀତ ଭାବରେ ପ୍ରତିରା ଚାଷକଳାକା ପରେ ମାଲକୋଟାଈନାନ୍ଦ ଲୋକସମାଜର ସହାୟତାର ହାତ ବଢ଼ାଇଥିଲେ । ଗିରିପୁରୁଷ ପ୍ରାଧିକାର ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ । ଖୋର୍ଦ୍ଧାରେ ବରିଷ୍ଠ ସେନାପତି କବି, ମୁଁ ମୋର ସବୁଦିନିଆଁ ହୋଇଥିଲି ଏବଂ କିଛି କବି

କିଛି କାଣିପାତୁନଥିଲି । ସତ୍ୟ ମାଲକୋଟାଈନାନ୍ଦ ଲୋକ ଆସିବେ, ଯେଉଁଠି ମୁଁ ରହି ନେଇଥିଲି, ମୋତେ ବହୁତ ସାହାଯ୍ୟ କଲେ । ସେ ମୋତେ ଗଣ ପରିଷେଧ କରିବା ପାଇଁ କହିନଥିଲେ ବରଂ ସେ କିପରି ମୋତେ ସାହାଯ୍ୟ କରିପାରିବେ ପଚାରିଥିଲେ । ଏହା ମୋ ହୃଦୟକୁ ଛୁଇଁଲା । ଓଡ଼ିଶାରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଥିବା ଅନ୍ୟତମ ସବୁଠାରୁ ପୁରୁଣା ମାଲକୋଟାଈନାନ୍ଦ ଲୋକସମାଜର ଅନୁପୂର୍ଣ୍ଣ । ମାଲକୋଟାଈନାନ୍ଦର

ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ଦିବ୍ୟକୋଟି ପଟ୍ଟନାୟକ କହିଥିଲେ, ଏହି ଗଣସମାଜରେ ଗୋଟିଏ ପରିବର୍ତ୍ତନ ପରି ହୋଇଗଲାଣି ଏବଂ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଭରସାର ବନ୍ଧନ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି । ଆଉ ଅସୁବିଧା ସମୟରେ ଆମେ ସେମାନଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବା ସାଧାରଣ କଥା । ଆମେ କୁହୁଛୁ ଯେ ସେମାନେ ଏହି ପ୍ରାକୃତିକ ବିପର୍ଯ୍ୟୟରେ ଘରଦାର, ଧନସମ୍ପତ୍ତି ହରାଇଛନ୍ତି ଏବଂ ଗରୀବ ଦୁଃଖ ମଧ୍ୟରେ ଗତି କରୁଛନ୍ତି । ସେହି

ସମୟରେ ଗଣ ପରିଷେଧ କରିବା ପାଇଁ ଚାପ ପକାଇବା ସେହି ଦୁଃଖକୁ ବଢ଼ାଇଦେବ । ଛାମି ଖୁଣ୍ଟି, ବାୟା ପିନସର୍ଭର ଗଣସମାଜ, ଯେ କି ପୁରୀର ବାସିନ୍ଦା, ପୁରୀରେ ପ୍ରତିରା ଗଣକର ପ୍ରଭାବ ପଡ଼ିଥିଲା, ସେ ମନେପକାନ୍ତି, ଗର୍ମ ପାନ ପତ୍ର ବ୍ୟବସାୟ ପାଇଁ ୧୮,୦୦୦ ଟଙ୍କା ଗଣନେଇଥିଲି କିନ୍ତୁ ପ୍ରତି ଯୋଗୁଁ ଗୁରୁତର ପ୍ରଭାବ ପଡ଼ିଲା । କିନ୍ତୁ ବାୟା ପିନସର୍ଭ ଆମକୁ ସାହାଯ୍ୟ କଲା ବୋଲି ସେ କହିଛନ୍ତି ।

Date	18 December
Publication	Sanchar
Edition	Bhubaneshwar, Odisha
Page No.	6

‘ମାଲକ୍ରୋପାଇନାଟୁ କେବଳ ରଣ ପ୍ରଦାନରେ ସୀମିତ ନୁହେଁ’

ଭୁବନେଶ୍ୱର: ଓଡ଼ିଶାରେ ଆର୍ଥିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଅନନ୍ତସର ଗୋଷ୍ଠୀଗୁଡ଼ିକୁ, ମାଲକ୍ରୋ ପାଇନାଟୁଗୁଡ଼ିକ କୌଣସି ବନ୍ଧନ ବ୍ୟତୀତ ରଣ ପ୍ରଦାନ କରି ଦୈନିକ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଆଣି ଦେଇଛନ୍ତି। ରାଜ୍ୟର ଦୁର୍ଗମ ଜିଲ୍ଲାଗୁଡ଼ିକରେ ଯେଉଁଠାରେ ଲୋକେ ରଣ ବା କ୍ରେଡିଟର ସୁବିଧା ପାଇନଥିଲେ ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ କେବଳ ଉପାର୍ଜନର ସୁଯୋଗ ପ୍ରଦାନ କରିନାହିଁ ସେମାନଙ୍କୁ ଦେଶର ବିକାଶ ସହିତ ତାଳ ଦେଇ ଆଗେଇ ଯିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଛି। ଓଡ଼ିଶାର ବିଭିନ୍ନ ଜିଲ୍ଲାର ରଣଗ୍ରହୀତମାନେ ମନେ ପକାଇଥିଲେ କିପରି ଭାବରେ ଫଳିତ ଚାଷବଳାକା ପରେ ମାଲକ୍ରୋପାଇନାଟୁ ଜନଶୃଙ୍ଖଳାସମ୍ବଳିତ ସହାୟତାର ହାତ

ବଢ଼ାଇଥିଲେ। ଗିରିଫ୍ ସୁବିଧା ପହଞ୍ଚିବା ପୂର୍ବରୁ ମାଲକ୍ରୋପାଇନାଟୁ ଜନଶୃଙ୍ଖଳାସମ୍ବଳିତ ଗିରିଫ୍ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। ଖାମି ଖଣ୍ଡି, ବାୟା ଫିନସର ରଣଗ୍ରହୀତ, ଯେ କି ପୁରୀର ବାସିନ୍ଦା, ପୁରୀରେ ଫଳିତ ଭୟଙ୍କର ପ୍ରଭାବ ପଡ଼ିଥିଲା, ସେ ମନେପକାନ୍ତି, ମୁଁ ପାନ ପତ୍ର ବ୍ୟବସାୟ ପାଇଁ ୧୮,୦୦୦ ଟଙ୍କା ରଣ ନେଇଥିଲି କିନ୍ତୁ ଫଳି ଯୋଗୁଁ ସୁରୁତର ପ୍ରଭାବ ପଡ଼ିଲା। କିନ୍ତୁ ବାୟା ଫିନସର ଆମକୁ ସାହାଯ୍ୟ କଲା। ବାତ୍ୟା ପରେ ଦୁଇଟି ଆମକୁ ଖାଦ୍ୟ, ବିସ୍ତୃତ ଓ ପାଣି ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ। ଏହାସହିତ ଆମକୁ ଶାଢ଼ି ଓ ଲୁଗା ମଧ୍ୟ ଦେଇଥିଲେ। ଖାଲି ସେତିକି ନୁହେଁ ବାୟା ଫିନସର ମଧ୍ୟ ମୋତେ ଆଉ ଗୋଟିଏ ରଣ ଦେଇଥିଲେ

ଯାହାକି ମୋ ପାନ ବ୍ୟବସାୟ ପୁଣି ଆରମ୍ଭ କରିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଥିଲା। ମୁଁ ସେମାନଙ୍କର ଦୁଇଟି ସହାୟତା ପାଇଁ ମଧ୍ୟ କୃତଜ୍ଞ। ବାତ୍ୟା ଫଳି ହେଉଛି ୧୯୯୯ ପରଠାରୁ ସବୁଠାରୁ ଭୟଙ୍କର ବାତ୍ୟା ଯାହାକି ଓଡ଼ିଶାର ଧୂସର ଚାଷବଳାକା କରିଛି। ଯେତେବେଳେ ପ୍ରାକୃତିକ ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ଦେଖା ଦେଲା, ଏହି ଫଳିତ ପ୍ରଭାବକୁ ଅତି କ୍ରମ କରିବା ପାଇଁ ସମସ୍ତ ମାଲକ୍ରୋପାଇନାଟୁ ଜନଶୃଙ୍ଖଳାସମ୍ବଳିତ ସହଯୋଗ କରିବା ସହ ସିଏସଆର୍ କାର୍ଯ୍ୟକ୍ରମ ପାଇଁ ଆଗେଇ ଆସିଥିଲେ। ସେମାନଙ୍କର ମିଳିତ ଉଦ୍ୟମ ପ୍ରଭାବିତ ଜିଲ୍ଲାଗୁଡ଼ିକର ପୁନର୍ଗଠନ ଓ ଜନଜୀବନ ସାଧାରଣ ଅବସ୍ଥାକୁ ଫେରି ଆସିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଛି।

Date	19 December
Publication	Suryaparava
Edition	Bhubaneswar, Odisha
Page No.	6

ମାଲକୋପାଳନାନ୍ଦୁ-କେବଳ ରଣ ପ୍ରଦାନରେ ସୀମିତ ନୁହେଁ

॥ ପ୍ରଭାନ୍ତ୍ୟ ॥ ଭୁବନେଶ୍ୱର, ୧୭।୧୨: ଓଡ଼ିଶାରେ ଆର୍ଥିକ ଅନଗୁଣର ଗୋଷ୍ଠୀଗୁଡ଼ିକୁ, ମାଲକୋପାଳନାନ୍ଦୁ ରଣ ପ୍ରଦାନ କରି ଦୈନିକ ପରିବର୍ତ୍ତନ ଆଣିଛି । ରାଜ୍ୟର ଦୁର୍ଗମ ଜିଲ୍ଲାଗୁଡ଼ିକରେ ଯେଉଁଠାରେ ଲୋକେ ରଣ ବା ଡ୍ରେଡିଟର ସୁବିଧା ପାଇନଥିଲେ ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ ଦେଶର ବିକାଶ ସହିତ ଚାଲି ଦେଇ ଆଗେଇ ଯିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଛି । ଓଡ଼ିଶାର ବିଭିନ୍ନ ଜିଲ୍ଲାର ଗଣଗ୍ରହୀତାମାନଙ୍କୁ ପଦିର ଚାଣଦକାରୀ ପରେ ମାଲକୋପାଳନାନ୍ଦୁ ସହାୟତାର ହାତ ବଢାଇଥିଲେ । ଖୋର୍ଦ୍ଧାର ବଦିତା ସେନାପତି କହିଛନ୍ତି ଯେ, ପଦି ବାଟ୍ୟାରେ ସେ ଚାଳର ସବୁକିଛି ହରାଇଥିଲେ । ସତ୍ୟ ମାଲକୋ ବ୍ୟାପିଟାଲର ଲୋକ, ଅସିସରଙ୍କ ଠାରୁ ଗୁଁ ରଣ କେଉଁଥିଲା, ସେମାନେ ମୋତେ କହୁତ ସାହାଯ୍ୟ କରିଥିଲେ ତୋଳି ବଦିତା କହିଛନ୍ତି ।

ଓଡ଼ିଶାରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଥିବା ଅନୁପୂର୍ଣ୍ଣା ମାଲକୋପାଳନାନ୍ଦୁର ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ବିଦ୍ୟାବ୍ୟାପି ପଟ୍ଟନାୟକ କହିଛନ୍ତି ଯେ, “

ଗଣଗ୍ରହୀତାମାନେ ଗୋଟିଏ ପରିବାର ପରି ହୋଇଗଲାଣି ଏବଂ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଭରସାର ବନ୍ଧନ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି । ଆଉ ଅସୁବିଧା ସମୟରେ ଆମେ ସେମାନଙ୍କୁ ସାହାଯ୍ୟ କରିବା ସାଧାରଣ କଥା । ପ୍ରାକୃତିକ ବିପର୍ଯ୍ୟୟରେ ପ୍ରଭାତ, ଧନସମ୍ପତି ହରାଇ ଦୁଃଖ ମଧ୍ୟରେ ଗତି କରୁଛନ୍ତି । ସେହି ସମୟରେ ରଣ ପରିଶୋଧ କରିବା ପାଇଁ ଚାପ ପକାଇବା ସେହି ଦୁଃଖକୁ ବଢ଼ାଇଦେବ ।”

ପୁରୀର ଜଣେ ପାନ ବ୍ୟବସାୟୀ ଝାମି ଝଣ୍ଡି କହିଛନ୍ତି ଯେ, ପଦି ପ୍ରଭାବରେ “ଗୁଁ ୧୮ ହଜାର ଟଙ୍କା ରଣ ନେଇ ବ୍ୟବସାୟ ଆରମ୍ଭ କରିଥିଲା । କିନ୍ତୁ ପଦି ବାଟ୍ୟାରେ ମୋର ସମ୍ପୂର୍ଣ୍ଣ ପସଲ ଉଡୁଟି ଯାଇଥିଲା । କିନ୍ତୁ ବାୟା ଫିନସର୍ଭ ମୋତେ ସାହାଯ୍ୟର ହାତ ବଢାଇଥିଲା । ବାଟ୍ୟା ପରେ ବିସୁଇ ଓ ପାଣି ସହ ଆମକୁ ଖାଦି ଓ ଲୁଗା ଦେଇଥିଲେ । ଏହା ସହ ବାୟା ଫିନସର୍ଭ ଆଉ ଗୋଟିଏ ରଣ ଦେଇଥିଲା ଯାହାଦ୍ୱାରା ଗୁଁ ପାନ ବ୍ୟବସାୟ ପୁଣି ଥରେ ଆରମ୍ଭ କରି ପାରିଥିଲା ।

Date	20 December
Publication	Darshana
Edition	Bhubaneshwar, Odisha
Page No.	5

ମାଲକୋପାଳନାମ - କେବଳ ରଣ ପ୍ରଦାନରେ ସୀମିତ ନୁହେଁ

ଭୁବନେଶ୍ୱର: ଆମ ରାଜ୍ୟ ଓଡ଼ିଶାରେ ଆର୍ଥିକ ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଅନନ୍ତର ଗୋଷ୍ଠୀଗୁଡ଼ିକୁ, ମାଲକୋପାଳନାମ ଗୋଷ୍ଠୀର ବ୍ୟବସାୟର ଗଣ ପ୍ରଦାନକରି ଦେଖିବା ପରିବର୍ତ୍ତନ ଆଣି ଦେଉଛନ୍ତି । ରାଜ୍ୟର ସୁରକ୍ଷା ଦୃଷ୍ଟିରୁ ଗୋଷ୍ଠୀରେ ଲୋକେ ରଣ ବା ଶ୍ରେଣୀର ସୁବିଧା ପାଇନଥିଲେ ଏହା ସେମାନଙ୍କୁ କେବଳ ଉପାର୍ଜନର ସୁଯୋଗ ପ୍ରଦାନ କରିନାହିଁ ସେମାନଙ୍କୁ ଦେଶର ବିକାଶ ସହିତ ତାଙ୍କ ଦେଇ ଆଗେଇ ଯିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଛି । ଓଡ଼ିଶାର ବିଭିନ୍ନ ଜିଲ୍ଲାର ଉତ୍ପାଦନାମାନେ ମନେ ପକାଇଥିଲେ କିପରି ଭାବରେ ପାନିର ଚାଷକାରୀଙ୍କ ପରେ ମାଲକୋପାଳନାମ ଲନଷ୍ଟିଲ୍ୟୁଏସନଗୁଡ଼ିକ ସହାୟତାର ହାତ ବଢ଼ାଇଥିଲେ । ବିଭିନ୍ନ ସୁବିଧା ପ୍ରଦାନ କରିବା ପାଇଁ ମାଲକୋପାଳନାମ ଲନଷ୍ଟିଲ୍ୟୁଏସନଗୁଡ଼ିକ ବିଭିନ୍ନ ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ । ଶେଷର ବଦଳା ସେମାନେ କହନ୍ତି, “ମୁଁ ମୋର ସବୁକିଛି ହରାଇଥିଲି ଏବଂ କ’ଣ କରିବି କିଛି ଜାଣିପାରୁନଥିଲି । ସତ୍ୟ ମାଲକୋପାଳନାମ ଲୋକ ଆପଣଙ୍କୁ, ଯେଉଁଠାରୁ ମୁଁ ରଣ ନେଇଥିଲି, ମୋତେ ବହୁତ ସହାୟକ କଲେ । ସେ ମୋତେ ରଣ ପରିଶେଷ କରିବା ପାଇଁ କହିନଥିଲେ ବରଂ ସେ କିପରି ମୋତେ ସହାୟକ କରିପାରିବେ ପଚାରିଥିଲେ । ଏହା ମୋ ଦୃଢ଼ତାକୁ ଛୁଇଁଗଲା ।” ଓଡ଼ିଶାରେ କାର୍ଯ୍ୟ କରୁଥିବା ଅନ୍ୟତମ ସବୁଠାରୁ ପୁରୁଣା ମାଲକୋପାଳନାମ ଲନଷ୍ଟିଲ୍ୟୁଏସନ ଅନୁପୂର୍ଣ୍ଣ ମାଲକୋପାଳନାମ ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ, ବିଦ୍ୟାବ୍ୟାପୀ ପ୍ରକଳ୍ପରେ କହିଥିଲେ, “ଏହି ଉତ୍ପାଦନାମାନେ ଗୋଟିଏ ପରିବାର ପରି ହୋଇଗଲାଣି ଏବଂ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଭରସାର ବନ୍ଧନ ସୃଷ୍ଟି ହୋଇଛି । ଆଉ ଅସୁବିଧା ସମୟରେ ଆମେ ସେମାନଙ୍କୁ ସହାୟକ କରିବା ସାଧାରଣ କଥା । ଆମେ ବୁଝିଛୁ ଯେ ସେମାନେ ଏହି ପ୍ରକୃତିକ ବିପର୍ଯ୍ୟୟରେ ଘରବୁଡ଼ା, ଧନହୀନ ହୋଇଛନ୍ତି ଏବଂ ରୋଗ ପ୍ରାଣ ମଧ୍ୟରେ ରହି କରୁଛନ୍ତି । ତେଣୁ ସମୟରେ ରଣ ପରିଶେଷ କରିବା ପାଇଁ ତାପ ପକାଇବା ତେଣୁ ସୁଖକୁ ବଢ଼ାଇଦେବ ।” ଡି.ଏ. ଶର୍ମା, ବାୟା

ପିନସର୍ବର ଉତ୍ପାଦନା, ଯେ କି ପ୍ରକାର ବାସିନ୍ଦା, ପ୍ରକାର ପାନିର ଉତ୍ପାଦନ ପ୍ରକ୍ରିୟା, ସେ ମନେପକାନ୍ତି, “ମୁଁ ପାନି ପତ୍ର ବ୍ୟବସାୟ ପାଇଁ ୧୮,୦୦୦ ଟଙ୍କା ରଣ ନେଇଥିଲି କିନ୍ତୁ ପାନି ସେପ୍ଟେମ୍ବର ପ୍ରକାର ପଡ଼ିଲା । କିନ୍ତୁ ବାୟା ପିନସର୍ବ ଆମକୁ ସହାୟକ କଲା । ବାତ୍ୟ ପରେ ତୁରନ୍ତ ଆମକୁ ଖାଦ୍ୟ, ବିଦ୍ୟୁତ୍ ଓ ପାନି ପ୍ରଦାନ କରିଥିଲେ । ଏହାସହିତ ଆମକୁ ଶାଢ଼ୀ ଓ ଲୁଗା ମଧ୍ୟ ଦେଇଥିଲେ । ଖାଲି ଦେଖି କିନ୍ତୁ ବାୟା ପିନସର୍ବ ମଧ୍ୟ ମୋତେ ଆଉ ଗୋଟିଏ ରଣ ଦେଇଥିଲେ ଯାହାକି ମୋ ପାନ ବ୍ୟବସାୟ ପ୍ରତି ଆରମ୍ଭ କରିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଥିଲା । ମୁଁ ସେମାନଙ୍କର ତୁରନ୍ତ ସହାୟତା ପାଇଁ ମଧ୍ୟ କୃତଜ୍ଞ ।” ଅଧିକାର ମାଲକୋପାଳନାମ ପରିଚାଳନା ନିର୍ଦ୍ଦେଶକ ଓ ସିଇଓ ମହମ୍ମଦ ନୁରୁଦ୍ଦିନ ଅମିନ, କହିଛନ୍ତି, “ଆମର ଉତ୍ପାଦନାମାନେ ନିମ୍ନ ଆୟବର୍ଗର ଅଟନ୍ତି । ସେମାନେ କାଟିକରେ ଉତ୍ପାଦିତ ପାଇଁ ରଣ ନେଇଥାନ୍ତି । ସେମାନେ ସହାୟକ ଏବଂ କଠିନ ପରିସ୍ଥିତି । ଅଧିକାଂଶ ଘଟଣାରେ ସେମାନେ ତାଙ୍କର କୁହୁତ ପୁରୁଷ ନିର୍ମାଣ କରିଥାନ୍ତି ଏବଂ ସୁଯୋଗ ପାଇବା ମାତ୍ରେ ସାଥୀମାନେ ସମସ୍ତ ରଣ ପରିଶେଷ କରିଥାନ୍ତି । ତାହାସହିତ ସେମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ ଭରଣ ରଣ କରିଥାଏ ବା କେତେକ ହିସ୍ତି ବିଷୟରେ ସଂପୃକ୍ତ ସଚେତନତା ରହିଛି ।” ବାତ୍ୟ ପାନି ହେଉଛି ୧୯୯୯ ପଛଠାରୁ ସବୁଠାରୁ ଉତ୍ପାଦନ ବାତ୍ୟା ଯାହାକି ଓଡ଼ିଶାର ଧୂସର ଚାଷକାରୀଙ୍କୁ କରିଛି, ଏହାପରେ ଏହା, ମାଲକୋପାଳନାମ ଲନଷ୍ଟିଲ୍ୟୁଏସନର ଉତ୍ପାଦନା ସାହାଯ୍ୟ ଏବଂ କହିଛି, “ଆମ ପକ୍ଷରେ ଓଡ଼ିଶାରୁ ୨୭.୧ ଲକ୍ଷ ଉତ୍ପାଦନା ମିଳିବା ଅଛି । ଯେତେବେଳେ ପ୍ରକୃତିକ ବିପର୍ଯ୍ୟୟ ବେଶୀ ଦେଲା, ଏହି ପାନି ପ୍ରକାରକୁ ଅତିକ୍ରମ କରିବା ପାଇଁ ସମସ୍ତ ମାଲକୋପାଳନାମ ଲନଷ୍ଟିଲ୍ୟୁଏସନ ସହଯୋଗ କରିବା ସହ ସିଏସଆର କାର୍ଯ୍ୟକଳାପ ପାଇଁ ଆଗେଇ ଆସିଥିଲେ । ସେମାନଙ୍କର ମିଳିତ ଉପମାପ୍ରାପ୍ତିର କିମ୍ବଦନ୍ତୀର ପୁନର୍ବିବରଣ ଓ ଜନଜୀବନ ସାଧାରଣ ଅବସ୍ଥାରେ ପରି ଆସିବାରେ ସହାୟକ ହୋଇଛି ।”



Coverage Report:

Press Release: MFIN & Sa-Dhan, industry SROs announce steps to address microfinance concerns in Assam

Date	21 December
Publication	Assam Tribune
Edition	Assam
Page No.	12

MFIN takes initiative to address microfinance-related issues

PRANJAL BHUYAN

GUWAHATI, Dec 20: Microfinance Institutions Network (MFIN) and Sa-Dhan, the RBI recognized self-regulatory organizations (SRO) and industry associations for the microfinance industry, has undertaken a four-pronged action plan to address microfinance-related concerns in Assam on behalf of all their member institutions.

Assam, which has always

enjoyed a good portfolio quality, has recently seen some concerns owing to an increasing number of customer grievances cases.

P Satish, Executive Director of Sa-Dhan, said that the microfinance industry takes pride in being a regulated industry where responsible lending and customer protection take precedence over business.

"Our intent is to improve the quality of life of our customer by providing access to easy,

small collateral free loans while protecting their interests. We expect all its members and signatories of Code for Responsible Lending (CRL) to follow RBI's Fair Practices Code and the CRL," he said.

Among the initiatives launched by MFIN and Sa-Dhan include setting up of District Level Grievance Redressal Cell.

"We will have member institutions taking a lead in being coordinators of 11 district

Grievance Redressal Mechanism (GRM) cells including Dibrugarh, Sivasagar, Charaideo and Jorhat, among others. This process will give the local GRM process a three-dimensional approach where the customer can either physically visit the GRM office to lodge a complaint or use phone or email. Complaints made on the MFIN toll free number or through the district GRM will be registered immediately and resolved in 15 working days.

We will update the State Finance department and Deputy Commissioners of the respective districts on the number of grievances received by the District Grievance Redressal Cells and their resolution," said Harsh Shrivastava, CEO of MFIN.

In addition, initiatives on adherence to the Fair Practices Code, adherence to the CRL, and participation in the State Level Bankers Committee (SLBC) and District

Level Coordination Committee (DLCC), have also been taken up.

"As MFIN and Sa-Dhan members are guided by the RBI Fair Practices Code and the MFIN/Sa-Dhan Code of Conduct on the guidelines on collections from microfinance clients, a strict compliance would be ensured by MFIN. Besides, adherence to the CRL is an important initiative to address issues concerning multiple lending," said a source.

Date	21 December
Publication	Asomiya Pratidin
Edition	Guwahati
Page No.	17

অসমত মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ উদ্যোগৰ সংকট

৪ দফীয়া আঁচনিৰ ঘোষণা এমফিন, সা-ধনৰ

গুৱাহাটী : শেহতীয়াকৈ অসমৰ বিভিন্ন ঠাইত মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ উদ্যোগে সন্মুখীন হোৱা সমস্যাসমূহৰ পৰা হাত ৰাখিবৰ বাবে অৰে বি আই ৰ দ্বাৰা স্বীকৃতিপ্ৰাপ্ত মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চৰ উদ্যোগী সংস্থা এমফিন আৰু সা-ধনে আলপতে এলানি ৪ দফীয়া আঁচনিৰ কথা ঘোষণা কৰিছে। এই আঁচনিৰ ঘোষণা তেওঁলোকে এই সমস্যাসমূহ অতি সোনকালে অতিক্ৰমৰ বাবে বিভিন্ন পৰিকল্পনা গ্ৰহণ কৰিছে। এই সন্দৰ্ভত সা-ধনৰ কাৰ্যবাহী সঞ্চালক পি সৰ্বীশে কয় যে অসমৰ বিভিন্ন ঠাইত বিশেষকৈ উজনি অসমৰ জিলাকেইখনত মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ উদ্যোগটোৱে বিভিন্ন দূৰা ব্যৱহাৰ ফলত সমস্যাৰ সন্মুখীন হৈছে। তাৰ পৰিপ্ৰেক্ষিতত অসমত এই উদ্যোগটোৰ পৰিসৰ হ্ৰাস পাবলৈ ধৰিছে। নতুনকৈ গ্ৰহণ কৰা আঁচনি অনুসৰি ডিব্ৰুগড়, শিৱসাগৰ, চৰাইদেউ আৰু যোৰহাটকে ধৰি প্ৰায় ১১ খন জিলাত সমস্যাৰ সম্মুখীন হৈছে। এই সমস্যা দূৰীকৰণৰ চেষ্টা কৰিছে তেওঁলোকে।

মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ প্ৰতিষ্ঠানসমূহৰ পৰা গুণ গ্ৰহণ কৰা লোকসকলক এইক্ষেত্ৰত সহযোগিতা আগবঢ়াবলৈ তেওঁলোকে আহ্বান জনাইছে।



Date	21 December
Publication	Asomiya Khabor
Edition	Guwahati
Page No.	8

এম এফ আই এন- সাধনৰ পদক্ষেপ ঘোষণা

মহানগৰ খবৰ, ২০ ডিচেম্বৰ : আৰ বি আইৰ দ্বাৰা স্বীকৃতিপ্ৰাপ্ত ছেল্ফ
ৰেগুলেটৰী অৰ্গেনাইজেচন তথা মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইণ্ডাষ্ট্ৰীৰ ঔদ্যোগিক
সংস্থা মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইনষ্টিটিউচনছ নেটৱৰ্ক (MFIN) আৰু সা-
ধনে সকলো সদস্য মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইনষ্টিটিউচনসমূহত অলপতে এলানি
চাৰিদফীয়া একচন প্লেন ঘোষণা কৰে। অসমৰ মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ সম্পৰ্কীয়
উদ্ব্বেগসমূহৰ মোকাবিলা কৰাৰ উদ্দেশ্যে তাৎক্ষণিকভাৱে কাৰ্যকৰী হোৱাকৈ
গ্ৰহণ কৰা পদক্ষেপসমূহ জিলা পৰ্যায়ৰ ওজৰ নিষ্পত্তি কোষ, ফেয়াৰ
প্ৰেক্টিচেজ ক'ডৰ প্ৰতি আনুগত্য, ক'ড ফৰ ৰেছপন্সিবল লেণ্ডিঙৰ প্ৰতি
আনুগত্য আৰু ঔদ্যোগিক প্ৰতিনিধিসমূহে ষ্টেট লেভেল বেংকাৰ্ছ কমিটী
(SLBC) আৰু ডিষ্ট্ৰিক্ট লেভেল কো-অৰ্ডিনেচন কমিটী।

Date	11 December
Publication	The Meghalaya Guardian
Edition	Guwahati
Page No.	2

Steps to address microfinance concerns in Assam announced

GUWAHATI, DEC 10: Microfinance Institutions Network (MFIN) and Sa-Dhan, the RBI recognized self-regulatory organisations and industry associations for the microfinance industry, today announced a four-pronged Action Plan to address Microfinance related concerns in Assam on behalf of all their member microfinance institutions.

Assam, which has always enjoyed a good portfolio quality, has recently seen some concerns owing to an increasing number of customer grievances cases.

Speaking on this, P Satish, Executive Director, Sa-Dhan said, "The microfinance industry takes pride in being a regulated industry where responsible lending and customer protection take precedence over business. Our intent is to improve the quality of life of our customer by providing access to easy, small collateral free loans while protecting their interests. We expect all its members and signatories of CRL to follow RBI's Fair Practices Code and the CRL."

MFIN and Sa-Dhan have launched four initiatives with immediate effect:

- For the first time a dedicated District Level Grievance Redressal Mechanism (GRM) has been established in addition to the already available helplines from the lenders, the industry SROs MFIN and Sa-Dhan and also the RBI helpline. As this will be in 11 districts, it will be more accessible to the clients for raising their issues regard-

ing loans, processes, repayments, over indebtedness or any other matter.

- As MFIN and Sa-Dhan members are guided by the RBI Fair Practices Code & MFIN/Sa-Dhan Code of Conduct on the guidelines on collections from microfinance clients, a strict compliance would be ensured by MFIN. Any entity not adhering to this code and deploying any coercive recovery methods need to be reported to the SROs, regulator RBI and/or to the local police station with a FIR for the law to take its own course.

- An important initiative by MFIN and Sa-Dhan, along with FIDC, is adherence to the Code for Responsible Lending (CRL) to address issues concerning multiple lending. This brings all the 4 different types of lending institutions under RBI - NBFCs, NBFC-MFIs, Small Finance Banks (SFB's) and Universal Banks (UB's) compliant with 3 lender cap on the lending institutions and the indebtedness amount of Rs 1 lakh signing and adhering to the above would assign "Responsible Lender" position to the signing institution and would vouch its client friendly and responsible behaviour.

- Industry representative will seek to participate in the State Level Bankers Committee (SLBC) and District Level Coordination Committee (DLCC) so that the State, district forums and administration are updated on the MFIs' activities.

Date	11 December
Publication	The North East Times
Edition	Guwahati
Page No.	11

Steps to address microfinance concerns in Assam announced

GUWAHATI, DEC 10 : Micro-finance Institutions Network (MFIN) and Sa-Dhan, the RBI recognized self-regulatory organisations and industry associations for the microfinance industry, today announced a four-pronged Action Plan to address Microfinance related concerns in Assam on behalf of all their member microfinance institutions.

Assam, which has always enjoyed a good portfolio quality, has recently seen some concerns owing to an increasing number of customer grievances cases.

Speaking on this, P Satish, Executive Director, Sa-Dhan said, "The microfinance industry takes pride in being a regulated industry where responsible lending and customer protection take precedence over business. Our intent is to improve the quality of life of our customer by providing access to easy, small collateral free loans while protecting their interests. We expect all its members and signatories of CRL to follow RBI's Fair Practices Code and the CRL."

MFIN and Sa-Dhan have launched four initiatives with immediate effect:

- For the first time a dedicated District Level Grievance Redressal Mechanism (GRM) has been established in addition to the already available helplines from the lenders, the industry SROs MFIN and Sa-Dhan and also the RBI helpline. As this will be in 11 districts, it will be more accessible to the clients for raising their issues regard-

ing loans, processes, repayments, over indebtedness or any other matter.

- As MFIN and Sa-Dhan members are guided by the RBI Fair Practices Code & MFIN/Sa-Dhan Code of Conduct on the guidelines on collections from microfinance clients, a strict compliance would be ensured by MFIN. Any entity not adhering to this code and deploying any coercive recovery methods need to be reported to the SROs, regulator RBI and/or to the local police station with a FIR for the law to take its own course.

- An important initiative by MFIN and Sa-Dhan, along with FIDC, is adherence to the Code for Responsible Lending (CRL) to address issues concerning multiple lending. This brings all the 4 different types of lending institutions under RBI - NBFCs, NBFC-MFIs, Small Finance Banks (SFB's) and Universal Banks (UB's) compliant with 3 lender cap on the lending institutions and the indebtedness amount of Rs 1 lakh signing and adhering to the above would assign "Responsible Lender" position to the signing institution and would vouch its client friendly and responsible behaviour.

- Industry representative will seek to participate in the State Level Bankers Committee (SLBC) and District Level Coordination Committee (DLCC) so that the State, district forums and administration are updated on the MFIs' activities.

Date	12 December
Publication	The Assam Rising
Edition	Guwahati
Page No.	2

2

THURSDAY, DECEMBER 12, 2019

MFIN & Sa-Dhan, industry SROs announce steps to address microfinance concerns in Assam

Guwahati, Dec 11: Microfinance Institutions Network (MFIN) and Sa-Dhan, the RBI recognized self-regulatory organisations and industry associations for the microfinance industry, today announced a four-pronged Action Plan to address Microfinance related concerns in Assam on behalf of all their Member Microfinance Institutions, Assam, which has always enjoyed a good portfolio quality, has recently seen some concerns owing to an increasing number of customer grievances cases. Speaking on this, P Satish, Executive Director, Sa-Dhan said, "The microfinance industry takes pride in being a regulated industry where responsible lending and customer protection take precedence over business. Our intent is to improve the quality of life of our customer by providing access to easy, small collateral free loans while protecting their interests. We expect all its Members and signatories of CRL to follow RBI's Fair Practices Code and the CRL." MFIN and Sa-Dhan have launched four initiatives with immediate effect District Level Grievance Redressal Cell. For the first time a dedicated District Level Grievance Redressal Mechanism (GRM) has been established in addition to the already available helplines from the lenders, the industry SROs MFIN and Sa-Dhan and also the RBI helpline. As this will be in 11 districts, it will be more accessible to the clients for raising their issues regarding loans, processes, repayments, over indebtedness or any other matter. Details are available on the MFIN/Sa-Dhan website and on special leaflets being distributed to all borrowers. "We will have Member institutions taking a lead in being coordinators of 11 District GRM cells including Dibrugarh, Sivasagar, Charaideo, Jorhat among others. This process will give the local GRM process a three-dimensional approach where the customer can either physically visit the GRM office to lodge a complaint or escalate them telephonically or by email. Complaints made on the MFIN Toll free number or through the District GRM will be registered immediately and resolved in fifteen working days. We will update the State Finance department and Deputy Commissioners of the respective Districts on the number of grievances received by the District Grievance Redressal Cells and their resolution." MFIN-CEO, Harsh

Shrivastava said. "However, timely repayment of loans is important to ensure that the borrower's credit history is good in the Credit Bureau, making it easier to get a loan in the future. No loan waiver or any moratorium on payment has been announced for anyone and hence it is very important that microfinance clients pay on time and ensure a good credit record," he further added. Adherence to the Fair Practices Code: As MFIN and Sa-Dhan members are guided by the RBI Fair Practices Code & MFIN/Sa-Dhan Code of Conduct on the guidelines on collections from microfinance clients, a strict compliance would be ensured by MFIN. Any entity not adhering to this code and deploying any coercive recovery methods need to be reported to the SROs, regulator Reserve Bank of India and/or to the local police station with a FIR for the law to take its own course. Adherence to the Code for Responsible Lending (CRL): This is an important initiative by MFIN and Sa-Dhan along with FIDC to address issues concerning multiple lending. This brings all the 4 different types of lending institutions under RBI - NBFCs, NBFC-MFIs, Small Finance Banks (SFBs) and Universal Banks (UBs) compliant with 3 lender cap on the lending institutions and the indebtedness amount of INR 1 lac. Signing and adhering to the above would assign "Responsible Lender" position to the signing institution and would vouch its client friendly and responsible behaviour. SLBC/DLCC: Industry representative will seek to participate in the State Level Bankers Committee (SLBC) and District Level Coordination Committee (DLCC) so that the State, district forums and administration are updated on the MFIs' activities. MFIN is a premier industry association comprising 56 NBFC-MFIs and 35 Associates including Banks, Small Finance Banks (SFBs) and NBFCs. It is also the Self-Regulatory Organization (SRO) for the regulated NBFC-MFI. By virtue of bringing the NBFC-MFIs under one common umbrella, MFIN acts as a bridge between them and the regulators to build a dialogue for greater transparency, better policy frameworks and stronger client protection standards for responsible lending, thus enabling the microfinance industry to partake in meeting the larger financial inclusions goals.

Date	12 December
Publication	Dainik Batori
Edition	Katak
Page No.	6

মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ সম্পৰ্কীয় উদ্বেগ সমাধানৰ বাবে ইণ্ডাষ্ট্ৰী SRO MFIN, সা-ধনৰ পদক্ষেপ

গুৱাহাটী, ১১ ডিচেম্বৰ : RBIৰ দ্বাৰা স্বীকৃতি প্ৰাপ্ত ছেফ্ৰ ৰেগুলেটৰী অৰ্গেনাইজেশ্যন তথা মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইণ্ডাষ্ট্ৰীৰ উদ্যোগিক সংস্থা মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইনষ্টিটিউশ্যনছ নেটৱৰ্ক

(MFIN) আৰু সা-ধনে সকলো সদস্য মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইনষ্টিটিউশ্যনসমূহৰ হৈ আজি এলানি চাৰিদফীয়া একশ্যন প্লেন ঘোষণা কৰে, যাৰ উদ্দেশ্য হ'ল অসমৰ মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ সম্পৰ্কীয় উদ্বেগসমূহৰ মোকাবিলা কৰা। অসমে সদায়েই এক উত্তম প'ৰ্টফ'লিঅ' কোৱালিটি লাভ কৰি আহিছে যদিও গ্ৰাহকৰ ওজৰ-আপত্তি সম্পৰ্কীয় ঘটনা বৃদ্ধি হ'বলৈ ধৰাৰ পৰিপ্ৰেক্ষিতত শেহতীয়াকৈ এই ক্ষেত্ৰত কিছু উদ্বেগ উদ্ভৱ হৈছে। এই সন্দৰ্ভত সা-ধনৰ এগজেকিউটিভ ডাইৰেক্টৰ পি সতীশে কয়,

“বেছ পলিবল লেণ্ডিং আৰু কান্টমাৰ প্ৰটেকশ্যনে য'ত ব্যৱসায়তকৈ অধিক গুৰুত্ব লাভ কৰে, তেনে এক ৰেগুলেটেড উদ্যোগ হ'বলৈ পোৱাৰ বাবে মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইণ্ডাষ্ট্ৰী গৌৰৱান্বিত। আমাৰ উদ্দেশ্য হ'ল গ্ৰাহকসকললৈ সহজ, ক্ষুদ্ৰ, জামিনবিহীন লোন আগবঢ়োৱাৰ লগতে তেওঁলোকৰ স্বার্থ সুৰ্বীত ৰাখি তেওঁলোকৰ জীৱনৰ মান উন্নত কৰা। CRLৰ সকলো মেম্বাৰ আৰু স্বাক্ষৰকাৰীয়ে RBIৰ ফেয়াৰ প্ৰেক্টিচেজ ক'ড আৰু CRL মানি চলিব বুলি আমি আশা কৰোঁ।”

Date	12 December
Publication	Dainik Gana Adhikar
Edition	Guwahati
Page No.	8

মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চৰ চাৰিদফীয়া একচন প্লেন ঘোষণা

গুৱাহাটী, ১১ ডিচেম্বৰ : আৰ বি আইৰ দ্বাৰা পুনৰ্গঠিত আৰু হেলথ ৰেজুলেটৰী অৰ্গেনাইজেচন হ'ল মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইণ্ডাষ্ট্ৰীৰ ঔদ্যোগিক সংস্থামাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইনষ্টিটিউচনছ নেটৱৰ্ক (MFIN) আৰু সা-ধনে সকলো সদস্য মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইনষ্টিটিউচনসমূহৰ হৈ এলানি চাৰিদফীয়া একচন প্লেন ঘোষণা কৰে, যাৰ উদ্দেশ্য হ'ল অসমৰ মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ সম্পৰ্কীয় উদ্যোগসমূহৰ মোকাবিলা কৰা। অসমে সদায়েই এক উত্তম প'ৰ্টফ'লিঅ' কোয়ালিটি লাভ কৰি আহিছে যদিও গ্ৰাহকৰ গুৰুত্ব-আপত্তি সম্পৰ্কীয় ঘটনা বৃদ্ধি হ'বলৈ ধৰাৰ পৰিৱেশিত শেহতীয়াকৈ এই ক্ষেত্ৰত কিছু উৰোধ উদ্ভৱ হৈছে। এই সন্দৰ্ভত সা-ধনৰ এগজেকিউটিভ ডাইৰেক্টৰ পি সতীশে ক'য়, "বেছপলিবল লেণ্ডিং আৰু কাষ্টমাৰ গ্ৰেটেকনে য'ত ব্যবসায়তকৈ অধিক গুৰুত্ব লাভ কৰে, তেনে এক ৰেজুলেটেড উদ্যোগ হ'বলৈ লাভাৰ বাবে মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইণ্ডাষ্ট্ৰী

ৰোৱাৰ্ছাৰ্ছ। আমাৰ উদ্দেশ্য হ'ল গ্ৰাহকসকলক সন্তোষ, ক্ষুণ্ণ, জাৰিনবিহীন সেৱা আগ বঢ়োৱাৰ লগতে তেওঁলোকৰ স্বার্থ সুৰক্ষিত ৰাখি তেওঁলোকৰ জীৱনৰ মান উন্নত কৰা। CRLৰ সকলো মেম্বাৰ আৰু স্বাক্ষৰকাৰীয়ে RBIৰ ফেছাৰ শ্ৰেণীভুক্ত ক'ড আৰু CRL মান চিনৰ বুলি আমি আশা কৰোঁ। কোনো অভিযোগ ৰাখিবলৈ বাবে GRM কাৰ্য্যালয়লৈ নিজে যাব পাৰিব বা সেৱাৰে সাহায্য কৰিব পাৰিব অথবা ইমেইলেৰে যোগাযোগ বন্ধ কৰিব পাৰিব। MFINৰ ট'ল ফ্ৰী নম্বৰত বা জিলা GRMৰ জৰিয়তে দাখিল কৰা অভিযোগ তাৎক্ষণিকভাৱে পৰীক্ষিত কৰা হ'ব আৰু পোন্ধৰ কাৰ্যদিনৰ ভিতৰত সমাধান কৰা হ'ব। "অৱশ্যে সময়মতে লোণ পৰিশোধকৰণ চক্ৰবৰ্ত্তন, যাতে ক্ৰেডিট ব্যৱ'ত স্বাৰ্গ লগতহাৰ ক্ৰেডিট হিষ্টৰী সুখম হৈ থাকে আৰু ভৱিষ্যতে লোণ লাভ কৰাটো সহজ হয়। কাৰো বাবে কোনো লোণ অৱিত্যাগ বা পৰিশোধৰ কোনো সাময়িক

ছলিৱায়েন ঘোষণা কৰা হোৱা নাই আৰু সেয়ে মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ট্ৰায়েণ্টসকলে সময়মতে লণ পৰিশোধ কৰি উত্তম ক্ৰেডিট ৰেকৰ্ড নিশ্চিত কৰাটো অত্যন্ত গুৰুত্বপূৰ্ণ।" MFIN হ'ল এক আত্মশাসীৰ ঔদ্যোগিক সংস্থা, য'ত অন্তৰ্ভুক্ত হৈ আছে কোক, অল মাইনেঞ্চ ৰেজ (SFB) আৰু NBFCসমূহকে ধৰি ৫৩টা NBFC-MFI আৰু ৩৪টা সহযোগী প্রতিষ্ঠান। ৰেজুলেটেড NBFC-MFIসমূহৰ বাবে ই হ'ল হেলথ ৰেজুলেটৰী অৰ্গেনাইজেচন। NBFC-MFIসমূহক এক উমৈহতীয়া আন্তঃসন্থা অন্তৰ্ভুক্ত কৰি MFINএ এই প্রতিষ্ঠানসমূহ আৰু নিয়ামকসকলৰ মাজত সেতু হিচাপে কাম কৰে, যাতে ব্যক্তিগত স্বত্বস্বত্বৰ বাবে অধিক স্বচ্ছতা, অধিক উন্নত নীতিগত সংকলন আৰু শক্তিশালী উপভোক্তা সুৰক্ষা মান গঢ়ি তুলিব বৃহত্তৰ বিত্তীয় অন্তৰ্ভুক্তি লক্ষ্যসমূহত উপনীত হ'বৰ বাবে মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইণ্ডাষ্ট্ৰীক সহায় কৰি তুলিব পাৰে।

Date	16 December
Publication	Asom Aditya
Edition	Guwahati, Assam
Page No.	12

অসমত মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চৰ সমস্যা সমাধানৰ বাবে এলানি পদক্ষেপ গ্ৰহণ

আৰ বি আইব দ্বাৰা আৰ বি আইব স্বীকৃতিপ্ৰাপ্ত ছেলফ্ৰেণ্ডলেটবী অৰ্গেনাইজেশ্যন তথা মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইণ্ডাষ্ট্ৰীৰ উদ্যোগিক সংস্থামাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইনষ্টিটিউশ্যনছ নেটৱৰ্ক আৰু সাধনে সকলো সদস্য মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইনষ্টিটিউশ্যনসমূহৰ হৈ আজি এলানি চাৰিদিনীয়া একশ্যন প্লেন ঘোষণা কৰে, যাৰ উদ্দেশ্য হ'ল অসমৰ মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ সম্পৰ্কীয় উদ্বেগসমূহৰ মোকাবিলা কৰা। অসমে সদায়েই এক উত্তম 'প'ৰ্টফ'লিঅ' কোৱালিটি লাভ কৰি আহিছে যদিও গ্ৰাহকৰ ওজৰ-আপত্তি সম্পৰ্কীয় ঘটনা বৃদ্ধি হ'বলৈ ধৰাৰ পৰিপ্ৰেক্ষিতত শেহতীয়াকৈ এই ক্ষেত্ৰত কিছু উদ্বেগ উদ্ভৱ হৈছে। এই সন্দৰ্ভত সা-ধনৰ এগজেকিউটিভ ডাইৰেক্টৰ পি সতীশে কয়, বেছপপ্লিৰল লেণ্ডিং আৰু কান্টমাৰ প্ৰটেকশ্যনে য'ত বাৰসায়তকৈ অধিক চকু লাভ কৰে, তেনে এক বেণ্ডলেটেড উদ্যোগ হ'বলৈ পোৱাৰ বাবে মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইণ্ডাষ্ট্ৰী গৌৰৱান্বিত। আমাৰ উদ্দেশ্য হ'ল গ্ৰাহকসকললৈ সহজ, ক্ষুদ্ৰ, জামিনবিহীন লোন আগ বঢ়োৱাৰ লগতে তেওঁলোকৰ আৰ্থ সুৰক্ষিত ৰাখি তেওঁলোকৰ জীৱনৰ মান উন্নত কৰা। চি আৰ এলৰ সকলো মেম্বাৰ আৰু স্বাক্ষৰকাৰীয়ে আৰ বি আইব ফেছাৰ প্ৰেক্টিচেজ ক'ড আৰু চি আৰ এল মানি চলিব বুলি আমি আশা কৰোঁ। এম এফ আই এন আৰু সা-ধনে তাৎক্ষণিকভাৱে কাৰ্যকৰী হোৱাকৈ নিম্নোক্ত চাৰিবিধ পদক্ষেপ গ্ৰহণ কৰিছে: জিলাপৰ্যায়ৰ ওজৰনিষ্পত্তিকোষ: স্বণদাতাসকল, ইণ্ডাষ্ট্ৰী এজ আৰ অ' আৰু সা-ধনৰ তৰফৰ পৰা ইতিমধ্যে

উপলব্ধ হেঞ্জলাইনসমূহ আৰু লগতে আৰ বি আইব হেঞ্জলাইনৰ উপৰি পোনপ্ৰথমবাৰৰ বাবে এক উৎসৰ্গাকৃত জিলা পৰ্যায়ৰ ওজৰ নিষ্পত্তি ব্যৱস্থা স্থাপন কৰা হৈছে যিহেতু এই ব্যৱস্থা এঘাৰখন জিলাত স্থাপন কৰা হ'ব, সেয়ে ই হ'ব লোন, স্বণদান প্ৰক্ৰিয়া, পৰিশোধকৰণ, অত্যধিক স্বণগ্ৰহণতা বা আন যিকোনো বিষয়ৰ ক্ষেত্ৰত গ্ৰাহকসকলৰ বাবে অধিক সুগম। এম এফ আই এন সা-ধনৰ ৱেবছাইটত আৰু লগতে সকলো স্বণ লগুতাৰ মাজত বিতৰণ কৰা বিশেষ লীফলেটত এই বিষয়ে সবিশেষ তথ্য উপলব্ধ। ডিব্ৰুগড়, শিৱসাগৰ, চৰাইদেউ, যোৰহাটকে ধৰি এঘাৰখন জিলা কোষৰ সমন্বয়ক হ'বৰ বাবে আগ বাঢ়ি আহিব পৰাকৈ আমাৰ ওচৰত সদস্য প্ৰতিষ্ঠান থাকিব। এই প্ৰক্ৰিয়াই স্থানীয় প্ৰক্ৰিয়াক এক ত্ৰিমাত্ৰিক সুগমতা প্ৰদান কৰিব, য'ত গ্ৰাহকে কোনো অভিযোগ দাখিলৰ বাবে কাৰ্যালয়লৈ নিজে যাব পাৰিব বা ফোনৰে সাযোগ্য কৰিব পাৰিব অথবা ইমেইলেৰে যোগাযোগ ৰক্ষা কৰিব পাৰিব। আই এম এফ এনৰ টল ফ্ৰী নম্বাৰত বা জিলা-জি আৰ এমৰ জৰিয়তে দাখিল কৰা অভিযোগ তাৎক্ষণিকভাৱে পঞ্জীভুক্ত কৰা হ'ব আৰু পোন্ধৰ কাৰ্যদিনৰ ভিতৰত সমাধান কৰা হ'ব। জিলা ওজৰ নিষ্পত্তি কোষে লাভ কৰা ওজৰৰ সংখ্যা আৰু সেইসমূহৰ সমাধানৰ সবিশেষ আমি ৰাজ্যিক বিত্ত বিভাগ আৰু সংশ্লিষ্ট জিলাসমূহৰ উপায়ুক্তসকলক জনাই দাম। আই এম এফ এনৰ ডি ই অ' হ'ব শ্ৰীবাস্তৱে এইদৰে কয়।

Date	16 December
Publication	Niyomiya Barta
Edition	Guwahati, Assam
Page No.	2

মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ সম্পৰ্কীয় উদ্বোধন দূৰীকৰণৰ পদক্ষেপ

গুৱাহাটী, ১৫ ডিচেম্বৰ : ভাৰতীয়
ৰিজাৰ্ভ বেংকৰ স্বীকৃতি প্ৰাপ্ত
মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইনষ্টিটিউচন নেটৱৰ্ক
আৰু সা-ধনে সকলো সদস্য
মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইনষ্টিটিউচনসমূহৰ হৈ
এলানি কৰ্ম আঁচনি ঘোষণা কৰে।
সেইমতে জিলা পৰ্যায়ত ওজৰ নিষ্পত্তি
কোষ গঠন, ফেয়াৰ প্ৰেক্টিচেজ ক'ডৰ
প্ৰতি আনুগত্য প্ৰকাশ, ক'ড ফৰ
ৰেম্প'নচিপল লেণ্ডিঙৰ প্ৰতি
আনুগত্য, ষ্টেট লেভেল বেংকাৰ্ছ
কমিটী, ডিষ্ট্ৰিক লেভেল কো-অৰ্ডিনেচন
কমিটী সভাত ঔদ্যোগিক প্ৰতিনিধিসমূহে
নিয়মীয়াকৈ অংশগ্ৰহণ কৰা আদি।

Date	17 December
Publication	Dainik Janambhumi
Edition	Guwahati, Assam
Page No.	14

অসমৰ মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ সম্পৰ্কীয় উদ্বোধন

সমাধানৰ বাবে ইণ্ডাষ্ট্ৰী এছ আৰ অ' এমফিন আৰু সা-ধনৰ পদক্ষেপ

গুৱাহাটী, ১৬ ডিচেম্বৰ : আৰ বি আইৰ দ্বাৰা স্বীকৃতিপ্ৰাপ্ত ছেল্ফ ৰেগুলেটৰী অৰ্গেনাইজেশ্যন তথা মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইণ্ডাষ্ট্ৰীৰ উদ্যোগিক সংস্থা মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইনষ্টিটিউশ্যনছ নেটৱৰ্ক (MFIN) আৰু সা-ধনে সকলো সদস্য মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইনষ্টিটিউশ্যনসমূহৰ হৈ অলপতে এলানি চাৰিদিনীয়া একশ্যন প্লেন ঘোষণা কৰে, যাৰ উদ্দেশ্য হ'ল অসমৰ মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ সম্পৰ্কীয় উদ্বোধনসমূহৰ মোকাবিলা কৰা। অসমে সদায়েই এক উত্তম প'ৰফ'ৰমেন্স' কোৱালিটি লাভ কৰি আহিছে যদিও গ্ৰাহকৰ ওজৰ-আপত্তি সম্পৰ্কীয় ঘটনা বৃদ্ধি হ'বলৈ ধৰাত শেহতীয়াকৈ এইক্ষেত্ৰত কিছু উদ্বোধন উদ্ভৱ হৈছে। এই সম্ভৱত সা-ধনৰ এগজেকিউটিভ ডাইৰেক্টৰ পি সতীশে কয় যে ৰেছপন্সিবল লেণ্ডিং আৰু কান্ট্ৰমাৰ প্ৰটেকশ্যনে য'ত ব্যৱসায়তকৈ অধিক ওকত্ব লাভ কৰে, তেনে এক ৰেগুলেটেড উদ্যোগ হ'বলৈ পোৱাৰ বাবে মাইক্ৰ'ফাইনেঞ্চ ইণ্ডাষ্ট্ৰী গৌৰৱান্বিত। তেওঁলোকৰ উদ্দেশ্য হ'ল গ্ৰাহকসকললৈ সহজ, ক্ষুদ্ৰ, জামিনবিহীন লোন আগবঢ়োৱাৰ লগতে স্বাৰ্থ সুৰক্ষিত ৰাখি তেওঁলোকৰ জীৱনৰ মান উন্নত কৰা। এমফিন আৰু সা-ধনে তাৎক্ষণিকভাৱে কাৰ্যকৰী হোৱাকৈ চাৰিবিধ পদক্ষেপ গ্ৰহণ কৰিছে।

Date	11 December
Publication	The Hill Times
Edition	Guwahati, Assam
Page No.	3

MFIN, Sa-Dhan announce steps to address microfinance concerns in Assam

HT Bureau

GUWAHATI, Dec 10: Microfinance Institutions Network (MFIN) and Sa-Dhan, the RBI recognized self-regulatory organisations and industry associations for the microfinance industry, announced a four-pronged Action Plan to

address Microfinance related concerns in Assam on behalf of all their Member Microfinance Institutions on Tuesday. Speaking on this, P Satish, Executive Director, Sa-Dhan said, "The microfinance industry takes pride in being a regulated industry where responsible lending and cus-

tomers protection take precedence over business. Our intent is to improve the quality of life of our customer by providing access to easy, small collateral free loans while protecting their interests. We expect all its Members and signatories of CRL to follow RBI's Fair Practices Code and the CRL."

Thank You!!